दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक पेड़ माँ के नाम
अभियान को
जन आंदोलन बनाएं...
एक व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएं।

वर्ष - 17, संयुक्तांक - 11+12 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 19 जून से 02 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8, रू. 3:00

पीएम मोदी ने सेशेल्स में कछुओं को पत्तियां खिलाईं:256 साल पहले 5 भारतीय रहने पहुंचे थे, अब हर 8वां नागरिक भारतवंशी

विक्टोरिया, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे।

हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे। बाद में बिहार, तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय यहां आकर बस गए।

आज सेशेल्स की करीब 1.20 लाख आबादी में लगभग हर आठवां नागरिक भारतीय मूल का है। देश के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन के पूर्वज भी बिहार के गोपालगंज जिले से थे। ऐसे में मोदी का यह दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ सेशेल्स नेशनल बॉटनिकल गार्डन का दौरा किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने परिसर में एक स्मृति पौधा भी लगाया।

सेशेल्स में पीएम मोदी के स्वागत के दौरान गुजरात के कच्छ क्षेत्र का पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

राजधानी विक्टोरिया के सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

पुर्तगाली नाविक वास्को द गामा ने पहली बार सेशेल्स को 1502 में खोज की थी। तब यहां पर लोगों की कोई स्थाई बसावट नहीं थी। इसके बाद कई सदियों तक अरब और यूरोपीय जहाज यहां रुकते रहे, लेकिन कोई स्थायी आबादी नहीं बनी।

पहली बार 1770 में फ्रांस ने पहली स्थायी बस्ती बसाई। इसी दल में 15 फ्रांसीसी बसने वाले, 7 अफ्रीकी गुलाम और 5 भारतीय शामिल थे। इन्हें सेशेल्स का पहला स्थायी निवासी माना जाता है। इसके बाद 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार के भोजपुरी भाषी इलाकों से भी लोग यहां आकर बसने लगे। 20वीं सदी से तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी, मजदूर और निर्माण कार्य से जुड़े लोग सेशेल्स पहुंचे।

सेशेल्स के कछुए लंबी उम्र के लिए मशहूर हैं। दुनिया में कछुओं की 360 से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें से सेशेल्स में पाया जाने वाला अल्डाब्रा जायंट कछुआ सबसे प्रसिद्ध प्रजातियों में से एक है। यह प्रजाति अपनी बेहद लंबी उम्र (औसत उम्र 150 साल) के लिए जानी जाती है।मोदी बोले-

भारत और सेशेल्स के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे

पीएम मोदी ने सेशेल्स दौरे पर कहा- सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर (MAHASAGAR)' का प्रमुख साझेदार है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं।

26 दिन में सोना 13,000, चांदी 39,000 रुपए सस्ती

रायपुर, एजेंसी।

सराफा बाजार में लगातार गिरावट से सोना 26 दिनों में करीब 13 हजार रुपए सस्ता हो चुका है, जिससे अब 24 कैरेट सोने का भाव 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.40 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई है।

डॉलर की मजबूती और वैश्विक तनाव कम होने से दाम घटे हैं, जिसके बाद कम कीमत पर गहने खरीदने के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ गई है।

जून की शुरुआत में सोने का भाव लगभग रू.1.55 लाख प्रति 10 ग्राम था, जो अब घटकर करीब रू.1.42 लाख प्रति 10 ग्राम रह गया है। इसी तरह चांदी की कीमत रू.2.79 लाख प्रति किलो से गिरकर करीब रू.2.40 लाख प्रति किलो पहुंच गई है।

इस साल की शुरुआत में सोना और चांदी दोनों ने रिकॉर्ड स्तर छुए थे। जनवरी में सोने का भाव करीब रू.1.76 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था, जबकि चांदी ने रू.3.86 लाख प्रति किलो का ऐतिहासिक स्तर बनाया था। हालांकि, इसके बाद वैश्विक परिस्थितियों में आए बदलाव, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमला किया

ईरान ने कहा- सीजफायर तोड़कर पछताएगा अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था।

दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है

ईरान की संसद सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

NATO देशों पर ईरान का निशाना-

ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के हमले में साथ देने वाले NATO सदस्य देशों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन देशों को बताना चाहिए कि उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई का समर्थन क्यों किया।

होर्मुज में जहाज पर हमला, समुद्री सुरक्षा पर फिर संकट- ओमान के तट के पास होर्मुज स्ट्रैट में एक मालवाहक जहाज पर अज्ञात हथियार से हमला हुआ। जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा, हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र ने 11 हजार नाविकों को निकालने का अभियान फिलहाल रोक दिया।

लेबनान में फिर बढ़ा तनाव- इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के अल-मंसूरी इलाके में लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी। वहीं, हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने कहा कि इजराइल को लेबनान की पूरी जमीन से बिना शर्त हटना होगा और संगठन किसी भी हाल में इजराइल से रिश्ते सामान्य नहीं करेगा।

ईरान-अमेरिका समझौते की दिशा में बढ़ी बातचीत- अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की वार्ता पूरी हुई। दोनों देशों ने चार संयुक्त कमेटियां बनाने और 60 दिन में अंतिम समझौते का रोडमैप तैयार करने पर सहमति जताई। रूस ने भी कहा कि अंतिम समझौता होने पर वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसका समर्थन करेगा।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

परमाणु कार्यक्रम और तेल बाजार दोनों पर नजर-

IAEA ने कहा कि उसकी टीम जल्द ही ईरान के परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करेगी। दूसरी ओर, होर्मुज में तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जबकि भारत ने कमर्शियल LPG की सप्लाई पर लगी पाबंदियां हटाकर आपूर्ति सामान्य करने का फैसला लिया।

खामेनेई के शरीर को हवाई मार्ग से ले जाने की तैयारी

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के दौरान उनके शरीर को सड़क मार्ग से जुलूस निकालने के बजाय हेलिकॉप्टर या मिलिट्री प्लेन से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने पर विचार हो रहा है।

विकास अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपाईयों ने माँ सर्वमंगला मंदिर में की पूजा-अर्चना, की सरोज पाण्डेय के सुदीर्घ एवं समृद्ध जीवन की कामना

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गत 22 जून को पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय का जन्मदिन भाजपाईयों ने बड़े धूमधाम से मनाया। कई जगह कार्यक्रम और उत्सव भी हुआ। भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला संयोजक एवं पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल, श्रीमती आरती अग्रवाल माँ सर्वमंगला मंदिर पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना कर सरोज पाण्डेय के सुदीर्घ, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन के लिए माँ से आशीर्वाद मांगा, साथ ही कोरबा जिले की समृद्धि एवं सुख-शांति के लिए भी कामना की। विकास अग्रवाल-आरती अग्रवाल ने माँ सर्वमंगला मंदिर परिसर में उपस्थित जनों एवं भिक्षुओं को मिष्ठान बांटकर सुश्री सरोज पाण्डेय के जन्मदिन की खुशियां भी बांटी। इसके बाद विकास-आरती अग्रवाल वृद्धाश्रम पहुंचे और वरिष्ठजनों के साथ भी खुशियां बांटी और उन्हें फल एवं मिष्ठान खिलाकर सुश्री सरोज पाण्डेय के स्वस्थ जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा। वृद्धाश्रम के वरिष्ठजन इस अवसर पर काफी प्रफूल्लित दिखाई दे रहे थे।

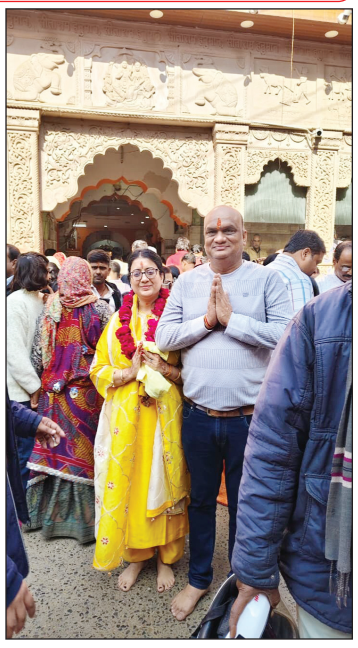

विकास अग्रवाल-आरती अग्रवाल, सुश्री सरोज पाण्डेय के खास समर्थकों में गिने जाते हैं और बीते लोकसभा चुनाव में सुश्री सरोज पाण्डेय के पक्ष में कोरबा विधानसभा क्षेत्र में जमकर प्रचार किया था। इस अवसर पर उनके साथ सूरज पाण्डेय, राहुल शुक्ला, कमल सिंह, मनोज गोयल, रविन्द्र शर्मा, कमला गुप्ता, हेमा साहू, स्मिता सिंह सहित अन्य भाजपाई एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तलाकशुदा पति ने पूर्व पत्नी को एयर गन से धमकाया

घर पहुंचकर पिस्टल बताकर बनाया डर का माहौल, पति और मामा गिरफ्तार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तलाक के बाद पूर्व पत्नी को एयर गन दिखाकर धमकाने का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की हंड्रेड बेड कॉलोनी में आरोपी पति ने महिला के घर पहुंचकर पहले विवाद किया, फिर उसे थप्पड़ मारा और एयर गन को असली पिस्टल बताकर डराने की कोशिश की।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और उसके मामा को गिरफ्तार कर लिया।

लव मैरिज के बाद हुआ था तलाक

नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) प्रतीक चतुर्वेदी के अनुसार, बिलासपुर निवासी सतीश कश्यप और पीड़िता ने एक वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और अदालत से उनका कानूनी तलाक हो गया। पुलिस के मुताबिक, तलाक के बाद भी सतीश लगातार अपनी पूर्व पत्नी से मिलने और विवाद करने उसके घर पहुंचता था।

घर पहुंचकर किया हंगामा

पीड़िता चिकित्सा विभाग में कार्यरत है और सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित हंड्रेड बेड कॉलोनी में अपने पिता के साथ रहती है। महिला के पिता ने बताया कि कुछ दिन पहले सतीश अपनी मां और मामा के साथ घर आया था। वकील के पास जरूरी लिखापढ़ी पूरी होने के बाद सभी चले गए थे। इसके बावजूद सतीश दोबारा घर पहुंच गया। उस समय महिला खुद को कमरे में बंद कर बैठी थी, लेकिन आरोपी उससे मिलने की जिद करने लगा। जब महिला बाहर आई तो आरोपी ने उसे थप्पड़ मार दिया, जिससे विवाद और बढ़ गया।

एयर गन को पिस्टल बताकर दी धमकी

विवाद के दौरान आरोपी ने अपने पास रखी एयर गन निकालकर उसे असली पिस्टल बताया और महिला को डराने-धमकाने लगा। महिला ने तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने जानबूझकर एयर गन को असली हथियार की तरह दिखाकर भय का माहौल बनाने का प्रयास किया था।

पति और मामा दोनों गिरफ्तार

पुलिस ने मुख्य आरोपी सतीश कश्यप को गिरफ्तार कर लिया। घटना के दौरान उसके साथ मौजूद मामा पर भी सहयोग और उकसाने का आरोप पाया गया, जिसके बाद उसे भी हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया।

सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, धमकी देने और भय उत्पन्न करने सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निस्वार्थ सेवा का पर्याय बना कमलादेवी जनसेवा संस्थान, पर्यावरण संरक्षण से लेकर मानव सेवा तक निभा रहा अग्रणी भूमिका

बिना किसी चंदे के समाजहित में संचालित हो रहे सेवा कार्य, पर्यावरण, सड़क सुरक्षा, शिक्षा और जनजागरूकता के क्षेत्र में बना प्रेरणास्त्रोत

सीकर (सुमन नेहरा)।

समाज सेवा को समर्पित कमलादेवी जनसेवा संस्थान (रजि.) आज राजस्थान ही नहीं, बल्कि देशभर में निस्वार्थ जनसेवा का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। 11 नवंबर 2020 को संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एस. के. फगेड़िया ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती कमलादेवी की स्मृति में इस संस्थान की स्थापना की। संस्था राजस्थान सरकार के सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत होने के साथ-साथ भारत सरकार के नीति आयोग की दर्पण आईडी से भी मान्यता प्राप्त है।

संस्थान के अंतर्गत संचालित 'कमूल - एक सहारा (KAMUL)' अभियान समाज के कमजोर, असहाय, मजबूर, उत्पीड़ित एवं लाचार वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का सतत प्रयास कर रहा है। संस्था प्रत्येक वर्ष फरवरी माह में साधारण सभा आयोजित कर वर्षभर की सामाजिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करती है।

संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकारी विद्यालयों एवं कार्यालयों में नि:शुल्क पौधों का वितरण एवं पौधारोपण, भीषण गर्मी में पक्षियों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था, जरूरतमंदों को सर्दियों में कंबल वितरण, सड़क सुरक्षा अभियान के तहत वाहनों पर रेडियम स्टीकर लगाना तथा गोवंश की सुरक्षा के लिए रेडियम बेल्ट बांधने जैसे अनेक जनहितकारी कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त हाईवे पर अवैध कट बंद कराने, स्कूलों एवं कच्ची बस्तियों में बाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाकर संस्था समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दे रही है। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को पर्यावरण मित्र सम्मान, कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान एवं राष्ट्र रत्न कम्मू अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जाता है।

विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि संस्था अपने सभी सेवा कार्य पूर्णत: नि:शुल्क एवं निस्वार्थ भाव से संचालित करती है। संस्था किसी भी व्यक्ति से चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लेती, बल्कि इसके 15 सदस्य स्वयं अपने संसाधनों से सेवा कार्यों का संचालन करते हैं।

मानव सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्थान को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इनमें गांधी सेवा रत्न अवॉर्ड, राष्ट्र विभूति सम्मान, सरदार पटेल दिव्य रत्न अवॉर्ड, राष्ट्र गौरव सम्मान, वृक्ष मित्र सम्मान, अम्बेडकर कीर्ति सम्मान, पर्यावरण मित्र सम्मान एवं मां भारती सेवा सम्मान प्रमुख हैं।

संस्थान के प्रमुख पदाधिकारी

संस्थापक अध्यक्ष: डॉ. एस. के. फगेड़िया, सचिव: सुमन नेहरा, कोषाध्यक्ष: विकास फगेड़िया, मीडिया प्रभारी: शैतानाराम जाखड़

कमलादेवी जनसेवा संस्थान अपनी सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है तथा जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर नई मिसाल कायम कर रहा है।

ड्रोन और थर्मल तकनीक से खनिज माफियाओं पर शिकंजा

कोरबा हसदेव नदी में जेसीबी, टीपर और ट्रैक्टर जब्त, रात में भी होगी कार्रवाई

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में अवैध खनिज उत्खनन पर शिकंजा कसने के लिए खनिज विभाग ने अब अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लेना शुरू कर दिया है। शुक्रवार (26 जून) को सीतामढ़ी क्षेत्र में हसदेव नदी पर ड्रोन कैमरे से निगरानी के दौरान अवैध रेत उत्खनन करते वाहनों का पता लगाया।

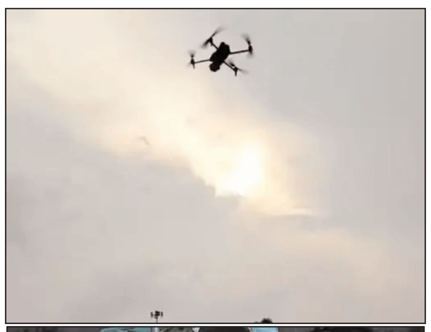

विभाग ने एक जेसीबी, एक टीपर और एक ट्रैक्टर सहित कुल तीन वाहनों को जब्त किया। यह कार्रवाई कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश और उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में की गई।

ड्रोन से ट्रैक हुई जेसीबी की लोकेशन

अभियान के दौरान ड्रोन कैमरे में हसदेव नदी से अवैध रेत उत्खनन करती एक जेसीबी की गतिविधियां रिकॉर्ड हुईं। ड्रोन की मदद से वाहन की लोकेशन इमलीडुग्गू तक ट्रैक की गई। इसके बाद खनिज विभाग की जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन में प्रयुक्त जेसीबी और अवैध रेत परिवहन कर रहे एक टीपर को जब्त कर उरगा स्थित खनिज जांच चौकी की अभिरक्षा में रखा गया।

राताखार में भी ट्रैक्टर जब्त

इसी अभियान के तहत राताखार क्षेत्र में अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर भी जब्त किया गया। जब्त वाहन को रामपुर थाना की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

ड्रोन और थर्मल इमेजिंग से होगी निगरानी

खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अब ड्रोन तकनीक का नियमित उपयोग किया जाएगा। रात के समय अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए थर्मल इमेजिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

सबूतों के आधार पर होगी कार्रवाई

सहायक खनि अधिकारी राकेश वर्मा ने बताया कि ड्रोन कैमरे में रिकॉर्ड हुए सबूतों के आधार पर भागने या वाहन छिपाने की कोशिश करने वाले भी कार्रवाई से बच नहीं पाएंगे।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सामूहिक साइकिल रैली का आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर क्रीड़ा भारती, कोरबा एवं CMA किकबॉक्सिंग अकादमी, कोरबा के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक साइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 7:30 बजे CMA किकबॉक्सिंग अकादमी, DDM रोड, कोरबा से किया गया। रैली में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों, युवाओं, अभिभावकों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाते हुए 'साइकिल चलाएं - स्वस्थ रहें, पर्यावरण बचाएं' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

रैली निर्धारित मार्ग CMA किकबॉक्सिंग अकादमी (DDM रोड) से ट्रांसपोर्ट नगर चौक, कोरबा तक निकाली गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने यातायात एवं सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अनुशासित ढंग से अपनी सहभागिता निभाई।

आयोजकों ने बताया कि साइकिल चलाना न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जीवनशैली संबंधी बीमारियों को देखते हुए साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रीड़ा भारती के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा, प्रांत संपर्क प्रमुख तारकेश मिश्रा, सचिव बालगोविंद जायसवाल, उपाध्यक्ष रविंद्र दुबे, विकास नामदेव सहित क्रीड़ा भारती के अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रैली के आयोजन, संचालन एवं व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से नियमित साइकिल उपयोग करने एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

दिव्यांग बेटे ने कर दी मां की हत्या:जमीन बंटवारे से इनकार पर लाठी से हमला, पिता का पैर तोड़ा, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के चीतापाली गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शुक्रवार देर रात एक दिव्यांग बेटे ने अपनी मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी, जबकि पिता पर भी हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उरगा थाना प्रभारी एसआई नवीन पटेल के अनुसार, चीतापाली निवासी श्याम लाल यादव के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा कोरबा शहर में रहता है, जबकि श्याम लाल, उनकी पत्नी जानकुंवर और छोटा बेटा रामकुमार यादव गांव में साथ रहते थे।

श्रमिकों के बच्चों को मिलेगा देश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश

कोरबा/रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आई है। योजना के तहत श्रमिक परिवारों के बच्चों को देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 03 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। योजना का लाभ उन श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा, जिनके माता-पिता छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत एवं सक्रिय सदस्य हैं। चयनित विद्यार्थियों को सीबीएसई अथवा आईसीएसई पाठ्यक्रम संचालित प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में अध्ययन का अवसर मिलेगा। योजना के तहत चयनित बच्चों की शिक्षा, आवास, भोजन, गणवेश, पुस्तकें एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का संपूर्ण खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। पात्र श्रमिक विभाग के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल अथवा च्वाइस सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही श्रम विभाग के कार्यालय से सहायता भी प्राप्त की जा सकती है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

हृदय रोगियों के लिए वरदान बनी एनकेएच की कैथलैब सुविधा

कोरबा में पहली बार 3 मरीजों में सफल एआईसीडी प्रत्यारोपण

अब स्थानीय स्तर पर हो रहा उन्नत हृदय उपचार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद हृदय रोगियों को बड़े शहरों जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होने लगी हैं। इससे गंभीर मरीजों को रायपुर या अन्य महानगरों में उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ रहा और समय पर इलाज मिलने से जीवन रक्षा आसान हो रही है।

भीषण गर्मी, अनियमित खान-पान और बदलती जीवनशैली के कारण इन दिनों हृदय संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। कई लोग सीने में जलन, गैस, अपच और बेचैनी को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि कई मामलों में ये हार्ट अटैक के शुरुआती संकेत साबित हो रहे हैं। पिछले सप्ताह एनकेएच में 15 से अधिक हृदय रोगी पहुंचे, जिनका विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में तत्काल उपचार किया गया।

रायपुर से आने वाले कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी एवं डॉ. एस.एस. मोहंती की टीम द्वारा मरीजों की जांच के बाद 5 मरीजों की एंजियोप्लास्टी और 5 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई। इसके अलावा एक मरीज में सफलतापूर्वक पेसमेकर प्रत्यारोपित किया गया। विशेष उपलब्धि के रूप में कोरबा में पहली बार अब तक 3 मरीजों में एआईसीडी (ऑटोमेटिक इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर) प्रत्यारोपण भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

जिले की पहली कैथ लैब सुविधा शुरू होने से अब हृदय रोगियों का समग्र उपचार-डॉ. चंदानी

एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि जिले की पहली कैथलैब सुविधा शुरू होने से अब कोरबा में ही हृदय रोगों का समग्र और उन्नत उपचार संभव हो गया है। इससे मरीजों का समय, धन और अनावश्यक परेशानी बच रही है, वहीं गंभीर परिस्थितियों में तत्काल उपचार मिलने से बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

क्या है एआईसीडी

एआईसीडी एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसे छाती में प्रत्यारोपित किया जाता है। यह हृदय की धड़कनों पर लगातार नजर रखता है और खतरनाक अनियमित धड़कन या अचानक हृदय गति रुकने की स्थिति में विद्युत झटका देकर दिल की सामान्य लय बहाल करता है। यह उपकरण कई मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार मई माह में कैथलैब में 17 मरीजों की एंजियोग्राफी, 12 मरीजों की एंजियोप्लास्टी तथा एक मरीज का पेसमेकर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया। कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद से अब तक एनकेएच में 400 से अधिक एंजियोग्राफी और 200 से ज्यादा एंजियोप्लास्टी की जा चुकी हैं।

प्यासे पंछियों को
पानी पिलाएं
आओ इस आदत को
संस्कार बनाएं...

दिव्य आकाश

सुविचार
ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं,
स्वच्छ और सुंदर धरती बनाएं।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 19 जून से 02 जुलाई 2026

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके

भारत के कई शहरों में भी महसूस हुआ कंपन

काबूल, एजेंसी।

अफगानिस्तान में शनिवार को आए तेज भूकंप के झटकों का असर भारत के कई हिस्सों में भी महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 दर्ज की गई। भूकंप के कारण जम्मू-कश्मीर, गुरुग्राम समेत कई शहरों में लोगों ने जमीन और इमारतों में कंपन महसूस किया। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को नई उड़ान, राजदूत क्वात्रा ने पेंटागन में अहम मुद्दों पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने एक वरिष्ठ अमेरिकी रक्षा अधिकारी के साथ दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने संबंधी कदमों पर चर्चा की। क्वात्रा ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में अमेरिका के रक्षा अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी से शुक्रवार को मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की। क्वात्रा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर

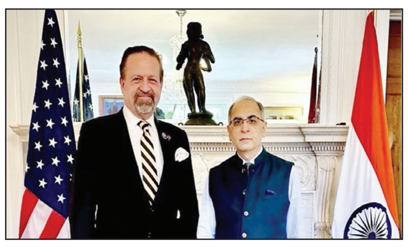

एक पोस्ट में कहा, 'पेंटागन में अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी के साथ अच्छी बातचीत हुई। मैं भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में उनके निरंतर सहयोग की सराहना करता हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैं द्विपक्षीय रक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग के एजेंडे को लागू करने के लिए संवाद जारी रखने को लेकर आशान्वित हूं।' भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष अक्टूबर में 10 वर्षीय रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त अभियानगत समन्वय बढ़ाना, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र में खुफिया जानकारी साझा करना तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना है।

108 मंजिला इमारत से टकराया विमान: क्रैश होकर टुकड़े-टुकड़े गिरा, पायलट की मौत, 13 घायल

बीजिंग, एजेंसी।

चीन की राजधानी बीजिंग में शुक्रवार शाम एक छोटा दो-सीटर विमान शहर की सबसे ऊंची इमारतों में शामिल CITIC Tower (जिसे चाइना जुन भी कहा जाता है) से टकरा गया। इस हादसे में विमान के पायलट की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार शाम 5:55 बजे बीजिंग के व्यावसायिक इलाके Chaoyang District में ईस्ट थर्ड रिंग रोड के पास हुआ। अधिकारियों ने बताया कि विमान में केवल पायलट सवार था और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायल हुए 13 लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि घायल इमारत के अंदर मौजूद थे या विमान के मलबे की चपेट में आए।

वैश्विक फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा Flightradar24 के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान Sunward SA60L Aurora मॉडल का था। यह विमान बीजिंग से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व स्थित एक हवाई अड्डे से उड़ान भरकर पश्चिम की ओर जा रहा था, लेकिन उड़ान के कुछ ही समय बाद 108 मंजिला CITIC Tower से टकरा गया। यह इमारत लगभग 528 मीटर (1,732 फीट) ऊंची है। बीजिंग की

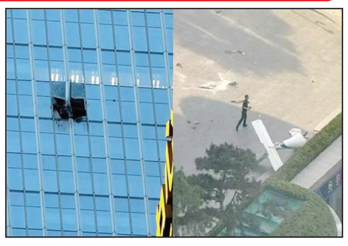

सबसे ऊंची इमारत मानी जाती है। इसकी बनावट प्राचीन चीनी शराब पात्र (Wine Vessel) से प्रेरित है। चीन में हवाई क्षेत्र पर कड़े नियंत्रण लागू हैं और हाल ही में ड्रोन उड़ाने पर भी कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बावजूद विमान कैसे शहर के बीचोंबीच स्थित गगनचुंबी इमारत से टकरा गया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं है। अधिकारियों ने मामले की औपचारिक जांच शुरू कर दी है।

घटना के अगले दिन सामने आई तस्वीरों में इमारत के कांच वाले हिस्से पर टक्कर के निशान दिखाई दिए। जहां विमान टकराया था, उस हिस्से को अस्थायी रूप से ढक दिया गया। घटना के बाद चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस हादसे से जुड़े कई पोस्ट और वीडियो हटा दिए गए। हालांकि कुछ वीडियो और तस्वीरें चीन के बाहर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X सहित अन्य वेबसाइटों पर वायरल हो गईं। वित्तीय समाचार मंच Caixin की इस हादसे पर प्रकाशित रिपोर्ट भी बाद में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं रही।

पीएम मोदी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे, मिला गार्ड ऑफ ऑनर

विक्टोरिया, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे। इस यात्रा के दौरान वह राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ बातचीत करेंगे और इस द्वीपीय देश के 'राष्ट्रीय दिवस' के स्वर्णजयंती समारोह में शामिल होंगे। सेशेल्स अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हर्मिनी और एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सेशेल्स पहुंच गया हूं। हवाईअड्डे पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की मैं दिल से सराहना करता हूं।' उन्होंने कहा, 'सेशेल्स, हिंद महासागर में हमारा एक अहम समुद्री साझेदार और करीबी दोस्त है। मैं एक ऐसी सार्थक यात्रा की उम्मीद कर रहा हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग को बढ़ाना है।'

प्रधानमंत्री ने यात्रा पर रवाना होने से पहले एक बयान में कहा कि सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' तथा 'ग्लोबल साउथ' के प्रति भारत की साझा प्रतिबद्धता का प्रमुख साझेदार है। राष्ट्रपति हर्मिनी के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर आए मोदी 'विशिष्ट अतिथि' के तौर पर राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी और भारतीय नौसेना के दो जहाज इन समारोहों में हिस्सा लेंगे। मोदी ने आगे कहा कि वह दोनों देशों की पुरानी दोस्ती को और मज़बूत करने के मकसद से होने वाली द्विपक्षीय बातचीत का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

सेशेल्स दौरे पर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा, 'हम मिलकर अपने लोगों की तरक्की के लिए काम करेंगे और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देंगे।' दोनों

पक्षों के द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और आपसी हित के क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की संसद नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2015 में सेशेल्स की यात्रा की थी, जबकि राष्ट्रपति हर्मिनी इसी साल भारत आए थे।

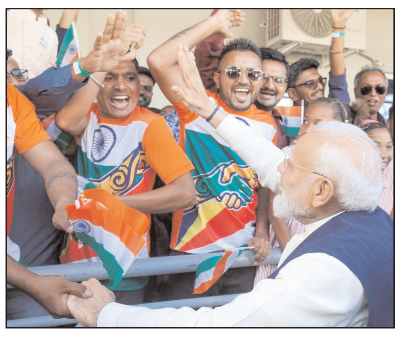

भूकंप से कांपी दिल्ली-एनसीआर, डर के मारे घरों से बाहर निकले लोग

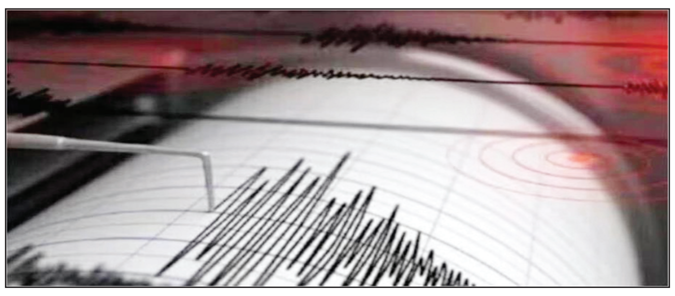

नई दिल्ली, एजेंसी।

शनिवार शाम दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

नेशनल जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में था। यह धरती की सतह से करीब 215 किलोमीटर की गहराई में आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 दर्ज की गई। भूकंप शनिवार शाम करीब 7 बजकर 4 मिनट पर आया। इसका केंद्र काफी गहराई में होने के कारण इसके झटके कई देशों में महसूस किए गए।

अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान, भारत, चीन, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में भी भूकंप का असर देखा गया। भारत में दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और उत्तर भारत के कई अन्य इलाकों में लोगों ने तेज झटके महसूस किए।

29 एवं 30 जून को होगा भव्य रामगढ़ महोत्सव

मुख्यमंत्री साय होंगे मुख्य अतिथि

अम्बिकापुर (दिव्य आकाश)।

सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक रामगढ़ में आषाढ़ के प्रथम दिवस के अवसर पर 29 एवं 30 जून को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित महोत्सव में प्रदेश की लोकसंस्कृति, साहित्य, इतिहास, पुरातत्व और पर्यटन की समृद्ध विरासत एक साथ देखने को मिलेगी। महोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, कलाकार, शोधकर्ता, पर्यटक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहेंगे। 29 जून को प्रात: 10:30 बजे अतिथियों के आगमन एवं दीप प्रज्वलन के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं पर आधारित लोकनृत्य, लोकगीत एवं लोकवाद्य प्रस्तुतियां पूरे दिन आकर्षण का केंद्र रहेंगी। सायंकाल सुप्रसिद्ध लोक एवं सांस्कृतिक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां महोत्सव को और अधिक भव्य बनाएंगी।

सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बिलासपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

एसईसीएल के वसंत विहार स्थित वसंत क्लब में आज, दिनांक 27 जून 2026 को कोल माइन्स ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमओएआई) की एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी अधिकारियों के हितों के संरक्षण के साथ-साथ संगठन और कंपनी की प्रगति में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के अध्यक्ष आशीष त्यागी, उपाध्यक्ष तिलकराज एवं अजय पंडित, महासचिव आलोक खुल्लर, संयुक्त महासचिव डॉ. अनु नेहा एवं डॉ. सुमित कृष्णन, कोषाध्यक्ष अनुप रहाटे तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता ने अपने-अपने पदों की शपथ ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के चुनाव की प्रक्रिया के अंतर्गत 6 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय तथा 7 जून 2026 को विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में मतदान संपन्न हुआ था। इसके उपरांत 8 जून 2026 को

चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे।

शपथ ग्रहण समारोह में एसईसीएल के अधिकारीगण एवं सीएमओएआई के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा, चढ़ावा चोरी प्रकरण में SIT एक्शन के बाद पद छोड़ा

अयोध्या, एजेंसी।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बीच ट्रस्ट के सदस्यों चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दिया है। चंपत राय राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में महासचिव के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसके अलावा अनिल मिश्रा ट्रस्ट में सदस्य थे। विपक्ष लगातार चंपत राय का नाम इस मामले में उछाल रहा था और उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था। मामले में चंपत राय की चुप्पी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। दोनों ने महंत नृत्यगोपाल दास को अपना इस्तीफा सौंपा है। यह कदम फैसला एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में मिली मजबूत सिफारिशों के बाद उठाया गया है। एसआईटी की सिफारिश के आधार पर मामले में पहली एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है। इन इस्तीफों को जांच के दौरान की गई कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम एफआईआर में नहीं था लेकिन फिर भी दोनों ने नैतिकता के आधार पर पद छोड़ दिया है।

छत्तीसगढ़ में हीरा खनन की तैयारी तेज : एनसीएल बोर्ड का बड़ा फैसला

बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में ड्रिलिंग को मंजूरी

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ में हीरा खनन की तैयारी तेज छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज डायमीटर (Large Diameter) ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। बैठक में निदेशक मंडल ने परियोजना की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस की अवधि के भीतर सभी तकनीकी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। बड़े व्यास की ड्रिलिंग से किम्बरलाइट पाइप में मौजूद हीरा भंडार का सटीक आंकलन किया जाएगा। इसके बाद विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (Feasibility Report) तैयार होगी, जिसके आधार पर व्यावसायिक हीरा खदान विकसित करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा। एनसीएल के निदेशक मंडल की बैठक में अमिताभ मुखर्जी, आशीष चटर्जी, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह,

खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक रजत बंसल, उपेंद्र कुमार तथा विनय कुमार उपस्थित रहे।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है। बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख हीरा उत्पादक देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रारंभिक चरण में इस प्रकार की सफलता भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार मिलने का संकेत हो सकती है।

सरोकार

किसानों के माथे पर सिकन

अलनिनो के कारण मौसम में दुष्प्रभाव से किसानों के माथे पर सिकन दिखाई देने लगा है। छत्तीसगढ़ में मानसून 15 से 20 जून के बीच सक्रिय हो जाता है, लेकिन जून समाप्ति की ओर है और बदरा बरस नहीं रहा है। अब तक 50 प्रतिशत से अधिक धान की बुआई हो जाती थी, लेकिन खेत सूखे पड़े हैं और बुआई 10 प्रतिशत भी नहीं हो पाई है। अलनिनो के कारण मानसून भटक गया है और किसानों को चिंता में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत लोग खेती किसानी पर आश्रित रहते हैं। छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरा भारतवर्ष की अर्थव्यवस्था खेती किसानी पर ही निर्भर होती है और पूरे भारतवर्ष में 70 प्रतिशत लोग खेती किसानी से ही अपना जीवन यापन करते हैं। खेती किसानी गड़बड़ाई तो भारत की अर्थव्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 03 जुलाई से मानसून सक्रिय होने का दावा किया जा रहा है और बदरा बरसा तो हमारी अर्थव्यवस्था भी अनुकूल रहेगी। -संपादक

खुद पर विश्वास करें, यकीन मानिए, हर काम सुफल होगा

जिंदगी चुनौतियों और संघर्षों का नाम है। जब जिंदगी में चुनौतियां बहुत आती हैं, तो कभी-कभी मन उदास हो जाता है और मन भ्रमित भी हो जाता है, क्या करें, क्या न करें?

जब इस तरह की परिस्थिति आती है, तो 15 मिनट का एकांत में ध्यान करें और मन को एकाग्र करें, इससे मन शांत होगा और विचार क्रांति तैरने लगेगी। मन और मस्तिष्क में वे बातें लाएं, जिसे आप करना चाहते हैं। एकाग्र मन और बुद्धि संयुक्त रूप से काम करने लगेंगे और ईष्टदेव का ध्यान करें, वे भ्रमित मन को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाएंगे और ईष्टदेव रास्ता भी दिखाएंगे, इससे आपका भ्रमित मन भ्रम से निकलेगा और तय रास्ता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

ध्यान करने से हौसला बढ़ता है, आत्मविश्वास प्रबल होता है और रास्ता अनायास निकल आता है। जब भी किसी कार्य को लेकर मन भ्रमित हो और रास्ता नहीं मिल रहा हो, तो मन को एकाग्र करना बहुत जरूरी है, इसके लिए ध्यान सबसे सरल और सच्चा उपाय है। वैसे तो रोज ही कम से कम 15 मिनट का ध्यान करना जरूरी है, इससे मन व्यथित नहीं होता और एकाग्र मन से सभी कार्य सफल और सुफल होते हैं।

कितनों भी कठिन परिस्थिति आ जाए, खुद पर विश्वास करना न छोड़ें और हौसला बनाए रखें। ये दोनों सफलता के वे कारक हैं, जिससे किसी भी व्यक्ति की सफलता निहीत होते हैं।

ईश्वर के साथ-साथ गुरू का भी स्मरण करें। गुरू की शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती। सच्चे गुरू का स्मरण करने से भी हमें रास्ता मिल जाता है, बस स्वयं पर विश्वास करना न छोड़ें। स्वयं पर विश्वास है और घर वालों, शुभचिंतकों का साथ है, तो असंभव सा लगने वाला कार्य भी संभव हो जाता है।

जीवन में कभी निराश मत होना, चिंता की जगह चिंतन को तवज्जो दें। चिंता चिता की जननी होती है और चिंतन भविष्य की पथ प्रदर्शक। काम करने से पहले चिंतन करें, इससे कार्य का शुभारंभ मनोवांछित रूप से होता है और कार्य सुफल होता है। मन में भ्रम न पालें और यदि स्थिति विकट हो और मन भ्रमित भी हो जाए तो स्वयं पर विश्वास अडिग रखना और हौसला बनाए रखना। यकीन मानिए, सब काम अच्छा होगा।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

कोदो-कुटकी की खेती अपनाएं पोषण और समृद्धि दोनों पाएं

छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा में कोदो और कुटकी का विशेष महत्व रहा है। सदियों से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के भोजन का अभिन्न हिस्सा रहे ये लघु धान्य आज एक बार फिर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों, पोषण संबंधी चुनौतियों और बेहतर कृषि की आवश्यकता के बीच कोदो-कुटकी जैसी मिलेट फसलें भविष्य की खेती का मजबूत आधार बनकर उभर रही हैं।

कोदो (पास्पलम स्क्रोबिकुलेटम) और कुटकी (पैनिकम सुमाट्रेंस) ऐसी फसलें हैं जिन्हें कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यही कारण है कि ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बन रही हैं। कम उपजाऊ, पथरीली और ढालू भूमि में भी इनकी खेती संभव है, जहां अन्य फसलें अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पातीं। 'ये फसलें प्रायः हर एक प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती है। जिस भूमि में अन्य कोई धान्य फसल उगाना सम्भव नहीं होता वहाँ भी ये फसलें सफलता पूर्वक उगाई जा सकती है। हल्की भूमि में जिसमें पानी का निकास अच्छा हो इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती है।'

आज जब दुनिया स्वास्थ्यवर्धक भोजन की ओर लौट रही है, तब कोदो और कुटकी का महत्व और बढ़ गया है। कोदो में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि कुटकी फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस तथा अन्य खनिज तत्वों से भरपूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनका नियमित सेवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और एनीमिया जैसी समस्याओं के नियंत्रण में सहायक हो सकता है। यही वजह है कि आज इन्हें 'सुपर फूड' के रूप में पहचान मिल रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार भी मिलेट फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 में कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3,350 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ इन फसलों की खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है। विभागीय जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश में कोदो फसल 39.02 हेक्टेयर और कुटकी फसल 38.03 हेक्टेयर रकबे में लगाए गए थे। वैसे विगत खरीफ वर्ष में प्रति हेक्टेयर कोदो की उत्पादन 550 किलोग्राम तथा कुटकी की उत्पादन 675 किलोग्राम दर्ज की गई है। यानी कोदो की उत्पादन 21.46 टन थी, वहीं 25.67 टन कुटकी का उत्पादन हुआ था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसलों की खेती अपनाने व उत्पादन बढ़ाने की अपील की है।

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्नत तकनीकों को अपनाकर कोदो-कुटकी की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। 'मानसून की शुरुआत के साथ जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बुवाई, बीजोपचार, कतार पद्धति, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा समय पर खरपतवार नियंत्रण जैसे उपाय किसानों को बेहतर उत्पादन दिला सकते हैं।'

बढ़ती बाजार मांग, मिलेट आधारित उत्पादों का विस्तार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं इन फसलों के व्यावसायिक महत्व को लगातार बढ़ा रही हैं। एक समय केवल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक सीमित रहने वाली कोदो-कुटकी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना रही हैं।

'पोषण सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए कोदो और कुटकी अत्यंत महत्वपूर्ण फसलें हैं।' आवश्यकता इस बात की है कि किसान आधुनिक तकनीकों के साथ इन पारंपरिक फसलों का उत्पादन बढ़ाएं और उपभोक्ता इन्हें अपने दैनिक भोजन का हिस्सा बनाएं। 'कोदो-कुटकी केवल अनाज नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, उत्तम कृषि और समृद्ध भविष्य की आधारशिला हैं।'

गुलाबी साड़ी में Janhvi Kapoor ने बिखेरा रॉयल चार्म, ट्रेडिशनल लुक में लगीं पूरी महारानी

खाली पड़ी छत को बनाएं घर का सबसे कूल और कम्फर्टेबल कॉर्नर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पूरे दिन की थकावट के बाद हर कोई शाम के समय एक सुकून भरा पल बिताना चाहता है। कुछ देर शांत बैठने और रिलैक्स्ड फील करने के लिए अक्सर हम किसी महंगे कैफे में चले जाते हैं और वहीं पर अपना आधे से एक घंटा बिता लेते हैं। अगर आप हर दिन महंगे कैफे में न जाकर अपने ही घर पर कैफे जैसा फील पाना चाहते हैं, तो आपको इस आर्टिकल को पढ़ना चाहिए और इसमें बताए गए पॉइंट्स पर एक बार जरूर विचार करना चाहिए। आज हम आपको कुछ सिंपल हैक्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी खाली पड़ी छत को ही एक शानदार कैफे में कन्वर्ट कर पाएंगे। आपको शायद यह सुनकर यकीन न हो, लेकिन एक खाली पड़ी छत को यूनिक और स्टाइलिश लुक देना बहुत ही ज्यादा आसान है। इसके लिए आपको सिर्फ कुछ छोटी-बड़ी चीजों का इस्तेमाल करना होगा। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही 5 चीजों के बारे में, जिन्हें अपनी छत पर लगाकर आप घर बैठे ही कैफे जैसा माहौल सेट कर सकते हैं।

फेयरी लाइट्स और वॉर्म लाइटिंग का इस्तेमाल

किसी भी कैफे का माहौल वहां की लाइटिंग की वजह से सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। कैफे जैसी वाइब पाने के लिए अपनी छत पर पीली रोशनी वाली फेयरी लाइट्स, एलईडी स्ट्रिप्स या हैंगिंग बल्ब्स का इस्तेमाल करें। आप इन लाइट्स को छत की दीवारों पर, रेलिंग पर या किसी पौधे के आसपास लपेट सकते हैं। शाम के समय जब ये हल्की और खूबसूरत लाइट्स जलेंगी, तो आपकी छत पूरी तरह से एक रोमांटिक और शांत कैफे जैसी दिखने लगेगी। यह कम बजट में छत को चमकाने का सबसे बेहतरीन तरीका है।

कम्फर्टेबल बैठने की जगह और बीन बैग्स

कैफे में लोग घंटों बैठकर बातें करते हैं क्योंकि वहां के सिटिंग अरेंजमेंट बहुत कम्फर्टेबल होती हैं। अपनी छत पर भी ऐसा ही माहौल बनाने के लिए आप बांस या बेंत की कुर्सियां और एक छोटी सी टेबल रख सकते हैं। अगर जगह कम है या आप कुछ अलग चाहते हैं, तो फर्श पर रंग-बिरंगे और मोटे कुशन बिछाकर एक लो-सिटिंग एरिया भी आसानी से तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा, एक या दो बीन बैग्स रखने से छत को एकदम मॉडर्न और कूल लुक मिलता है, जहां आप आराम से बैठकर अपनी पसंदीदा किताब पढ़ सकते हैं।

इनडोर और आउटडोर पौधों का इस्तेमाल

नेचर के बिना किसी भी कैफे का लुक बिलकुल ही अधूरा सा लगता है। इसी वजह से अपने छत को फ्रेश और लाइव बनाने के लिए ढेर सारे पौधे लगाएं। आप अगर चाहें तो मनी प्लांट, पाम ट्री, और रंग-बिरंगे फूलों के गमले भी छत में रख सकते हैं। अगर छत पर दीवार खाली है, तो वहां वर्टिकल गार्डन यानी कि दीवार पर लगने वाले पौधे तैयार कर लें। पौधों के बीच बैठने से न सिर्फ कैफे जैसी फीलिंग आएगी, बल्कि आपको फ्रेश हवा और मेंटल पीस भी मिलेगी। मिट्टी के गमलों को आप खुद पेंट करके उन्हें और भी खूबसूरत बना सकते हैं।

एक छोटा सा कॉफी बार या कार्ट

जब बात कैफे की हो रही हो, तो कॉफी का जिक्र होना तो बिलकुल ही लाजिमी है। अपनी छत के एक कोने में एक छोटा सा लकड़ी का टेबल या मूवेबल कार्ट रखें, जिसे आप अपने मिनी कॉफी बार की तरह इस्तेमाल कर सकें। इस पर एक कॉफी मेकर, कुछ खूबसूरत मग्स, कुकीज के जार और अपनी पसंद के इनग्रेडिएंट्स रखें। जब भी आपका मूड हो, छत पर ही गर्मागर्म कॉफी बनाएं और उसका लुत्फ उठाएं। यह छोटा सा कोना आपकी छत का सबसे फेवरेट कॉर्नर बन जाएगा।

एक सुंदर सा झूला या मैक्रैम हैंगिंग

आजकल लगभग हर ट्रेंडिंग कैफे में एक खूबसूरत झूला जरूर देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचने का काम करता है। ऐसे में आप भी अपनी छत पर एक कम्फर्टेबल झूला लगा सकते हैं। आज के समय में मैक्रैम यानी कि धागे से बुने हुए झूले या एग शेप्ड यानी कि अंडे के शेप के झूले काफी ट्रेंड में चल रहे हैं। इस झूले पर एक-दो सॉफ्ट पिलो जरूर रख दें। शाम के समय ठंडी हवा के बीच झूले पर बैठकर चाय की चुस्की लेना आपको किसी हिल स्टेशन के कैफे का अहसास दिलाएगा। एजेंसी।

'बाघा' के घर पसरा मातम
8 महीने पहले मां को खोने के बाद अब पिता का भी हुआ निधन

टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 'बाघा' का मजेदार किरदार निभाने वाले एक्टर तन्मय वेकारिया पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके पिता और गुजराती सिनेमा के जाने-माने कलाकार अरविंद वेकारिया का 24 जून को निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। यह समय तन्मय और उनके परिवार के लिए बेहद मुश्किल भरा है, क्योंकि सिर्फ 8 महीने पहले, अक्टूबर 2025 में उन्होंने अपनी मां को भी खो दिया था। लगातार दो बड़े नुकसान ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

कौन थे तन्मय के पिता अरविंद वेकारिया?

तन्मय के पिता अरविंद वेकारिया गुजराती थिएटरऔर फिल्मों के बहुत बड़े और सम्मानित कलाकार थे। उन्होंने सालों तक अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता। उन्होंने कई मशहूर गुजराती फिल्मों जैसे 'यशोदा', 'छानू चमक्लो' और 'रुपियो नच नचावे' में बेहतरीन काम किया था। उन्होंने बच्चों के पसंदीदा पुराने टीवी शो 'शक्तिमान' में भी काम किया था।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना: भूमिहीन मजदूर परिवारों का बढ़ रहा जीवन स्तर, बढ़ रहा आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना प्रदेश के लाखों भूमिहीन परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। यह योजना न केवल जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि उनके जीवन में आत्मविश्वास, स्थिरता और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी जगा रही है।

प्रदेश में भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों की शुद्ध आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जाती है। यह राशि ऐसे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है, जो सीमित आय और अस्थायी रोजगार के कारण आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हैं। दैनिक जरूरतों की पूर्ति से लेकर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं घरेलू खर्चों तक, यह सहायता राशि परिवारों को राहत प्रदान कर रही है।

आर्थिक तंगी के कारण जिन परिवारों के लिए भविष्य की योजनाएं बनाना कठिन था, उनके लिए यह योजना नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। कई हितग्राही इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और घरेलू आवश्यकताओं पर कर रहे हैं, वहीं कुछ परिवार राशि का एक हिस्सा बचाकर स्वरोजगार या छोटे व्यवसाय की शुरुआत करने की योजना भी बना रहे हैं। इससे आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके कदम मजबूत हो रहे हैं।

योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का कहना है कि उन्हें पहले इस तरह की सहायता की उम्मीद नहीं थी, लेकिन राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्हें आर्थिक संबल मिला है, बच्चों के भविष्य के प्रति भरोसा बढ़ा है और परिवार को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस योजना के अंतर्गत करीब 6 लाख हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं, जिनमें बैगा-गुनिया समुदाय के हितग्राही भी शामिल हैं। योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्रों में निवास करने वाले पात्र परिवारों को भी मिल रहा है।

योजना के तहत भूमिहीन कृषि मजदूर, चरवाहा, नाई, धोबी, मोची तथा वनोपज संग्राहक आदि पात्र माने गए हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है तथा परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर कृषि योग्य भूमि नहीं होनी चाहिए।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे भूमिहीन मजदूर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिली है, भविष्य के प्रति विश्वास बढ़ा है और जीवन को नई दिशा मिली है।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमिहीन परिवारों को आत्मविश्वास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया आधार भी उपलब्ध करा रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का यह एक सशक्त उदाहरण है, जो हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

जसं छत्तीसगढ़।

शिवमंगल सिंह 'सुमन' की सुप्रसिद्ध कविता

मिट्टी की महिमा

निर्मम कुम्हार की थापी से
कितने रूपों में कुटी-पिटी,
हर बार बिखेरी गई, किंतु
मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी!

आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़ कर छल जाए,
सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमकी तो ढल जाए।
यों तो बच्चों की गुडिया सी, भोली मिट्टी की हस्ती क्या,
आँधी आये तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए!

फसलें उगतीं, फसलें कटती लेकिन धरती चिर उर्वर है,
सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन धरती अविनश्वर है।
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।

विरचे शिव, विष्णु विरंचि विपुल,
अगणित ब्रम्हाण्ड हिलाए हैं।
पलने में प्रलय झुलाया है,
गोदी में कल्प खिलाए हैं!

रो दे तो पतझर आ जाए, हँस दे तो मधुरितु छा जाए,
झूमे तो नंदन झूम उठे, थिरके तो तांड़व शरमाए।
यों मदिरालय के प्याले सी मिट्टी की मोहक मस्ती क्या,
अधरों को छू कर सकुचाए, ठोकर लग जाये छहराए!

उनचास मेघ, उनचास पवन, अंबर अवनि कर देते सम,
वर्षा थमती, आँधी रुकती, मिट्टी हँसती रहती हरदम।
कोयल उड़ जाती पर उसका निश्वास अमर हो जाता है,
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है!

मिट्टी की महिमा मिटने में,
मिट मिट हर बार सँवरती है।
मिट्टी मिट्टी पर मिटती है,
मिट्टी मिट्टी को रचती है।

मिट्टी में स्वर है, संयम है, होनी अनहोनी कह जाए,
हँसकर हालाहल पी जाए, छाती पर सब कुछ सह जाए।
यों तो ताशों के महलों सी मिट्टी की वैभव बस्ती क्या,
भूकम्प उठे तो ढह जाए, बूड़ा आ जाए, बह जाए!

लेकिन मानव का फूल खिला, अब से आ कर वाणी का वर,
विधि का विधान लुट गया स्वर्ग अपवर्ग हो गए निछावर।
कवि मिट जाता लेकिन उसका उच्छ्वास अमर हो जाता है,
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।

हरिवंशराय बच्चन की कविता

आकुल अंतर

आकुल अंतर
कैसे आंसू नयन संभाले।

मेरी हर आशा पर पानी,
रोना दुर्बलता, नादानी,
उमड़े दिल के आगे पलकें,
कैसे बांध बना लें।
कैसे आंसू नयन संभालें।

समझा था जिसने मुझको सब,
समझाने को वह न रही अब,
समझाते मुझको हैं मुझको
कुछ न समझने वाले।
कैसे आंसू नयन संभाले।

मन में था जीवन में आते
वे, जो दुर्बलता दुलराते,
मिले मुझे दुर्बलताओं से
लाभ उठाने वाले।
कैसे आंसू नयन संभाले।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

पूस की रात

हल्कू ने आकर स्त्री से कहा—सहना आया है, लाओ, जो रुपए रखे हैं, उसे दे दूँ, किसी तरह गला तो छूटे

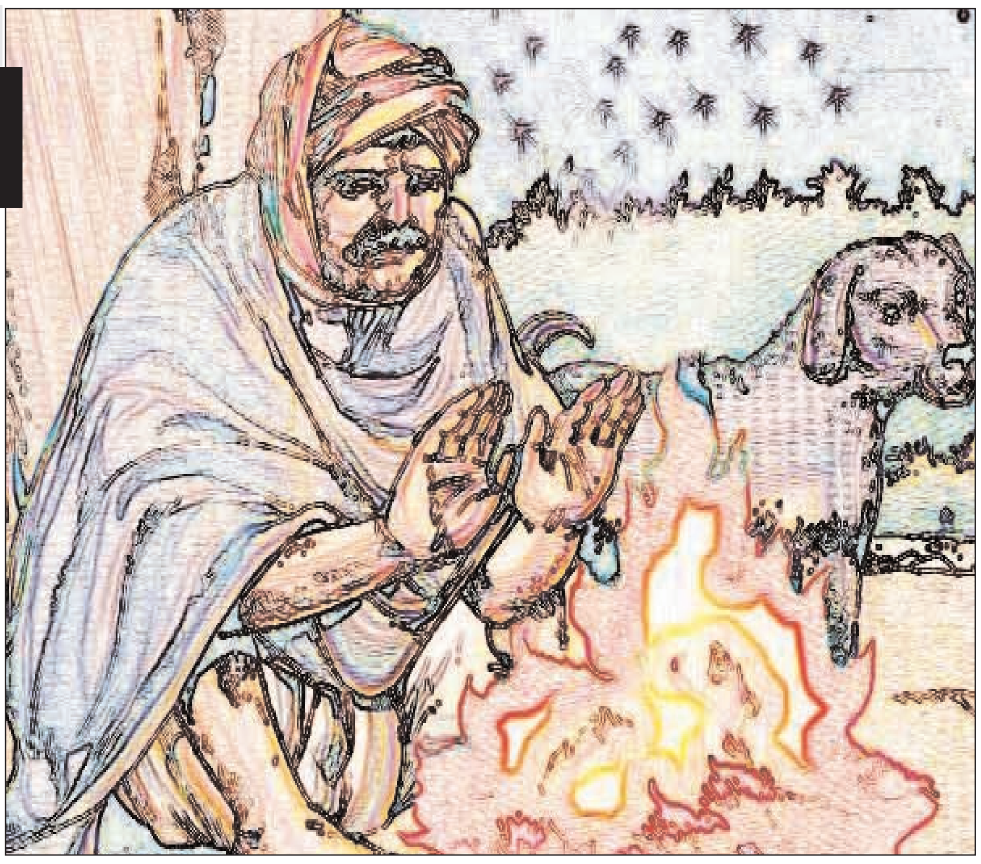

मुन्नी झाड़ू लगा रही थी। पीछे फिरकर बोली—तीन ही तो रुपए हैं, दे दोगे तो कम्मल कहाँ से आवेगा? माघ-पूस की रात हार में कैसे कटेगी? उससे कह दो, फसल पर दे देंगे। अभी नहीं।

हल्कू एक क्षण अनिश्चित दशा में खड़ा रहा। पूस सिर पर आ गया, कम्मल के बिना हार में रात को वह किसी तरह नहीं जा सकता। मगर सहना मानेगा नहीं, घुड़कियाँ जमावेगा, गालियाँ देगा। बला से जाड़ों में मरेंगे, बला तो सिर से टल जाएगी। यह सोचता हुआ वह अपना भारी-भरकम डील लिए हुए (जो उसके नाम को झूठ सिद्ध करता था) स्त्री के समीप आ गया और खुशामद करके बोला—ला दे दे, गला तो छूटे। कम्मल के लिए कोई दूसरा उपाय सोचूँगा।

मुन्नी उसके पास से दूर हट गई और आँखें तरेरती हुई बोली—कर चुके दूसरा उपाय! ज़रा सुनूँ तो कौन-सा उपाय करोगे? कोई खैरात दे देगा कम्मल? न जाने कितनी बाक़ी है, जो किसी तरह चुकने ही नहीं आती। मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते? मर-मर काम करो, उपज हो तो बाक़ी दे दो, चलो छुट्टी हुई। बाक़ी चुकाने के लिए ही तो हमारा जनम हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो। ऐसी खेती से बाज आए। मैं रुपए न दूँगी, न दूँगी।

हल्कू उदास होकर बोला—तो क्या गाली खाऊँ?
मुन्नी ने तड़पकर कहा—गाली क्यों देगा, क्या उसका राज है?

मगर यह कहने के साथ ही उसकी तनी हुई भौहें ढीली पड़ गईं। हल्कू के उस वाक्य में जो कठोर सत्य था, वह मानो एक भीषण जंतु की भाँति उसे घूर रहा था।

उसने जाकर आले पर से रुपए निकाले और लाकर हल्कू के हाथ पर रख दिए। फिर बोली— तुम छोड़ दो अबकी से खेती। मजूरी में सुख से एक रोटी तो खाने को मिलेगी। किसी की धौंस तो न रहेगी। अच्छी खेती है! मजूरी करके लाओ, वह भी उसी में झोंक दो, उस पर धौंस।

हल्कू ने रुपए लिए और इस तरह बाहर चला मानो अपना हृदय निकालकर देने जा रहा हो। उसने मजूरी से एक-एक पैसा काट-कपटकर तीन रुपए कम्मल के लिए जमा किए थे। वह आज निकले जा रहे थे। एक-एक पग के साथ उसका मस्तक अपनी दीनता के भार से दबा जा रहा था।

पूस की अँधेरी रात! आकाश पर तारे भी ठिठुरते हुए मालूम होते थे। हल्कू अपने खेत के किनारे ऊख के पतों की एक छतरी के नीचे बाँस के खटोले पर अपनी पुरानी गाढ़े की चादर ओढ़े पड़ा काँप रहा था। खाट के नीचे उसका संगी कुत्ता जबरा पेट में मुँह डाले सर्दी से कूँ-कूँ कर रहा था। दो में से एक को भी नींद न आती थी।

हल्कू ने घुटनियों कों गरदन में चिपकाते हुए कहा—क्यों जबरा, जाड़ा लगता है? कहता तो था, घर में पुआल पर लेट रह, तो यहाँ क्या लेने आए थे? अब खाओ ठंड, मैं क्या करूँ? जानते थे, मै यहाँ हलुवा-पूरी खाने आ रहा हूँ, दौड़े-दौड़े आगे-आगे चले आए। अब रोओ नानी के नाम को।

जबरा ने पड़े-पड़े दुम हिलायी और अपनी कूँ-कूँ को दीर्घ बनाता हुआ एक बार जम्हाई लेकर चुप हो गया। उसकी श्वान-बुद्धि ने शायद ताड़ लिया, स्वामी को मेरी कूँ-कूँ से नींद नहीं आ रही है।

हल्कू ने हाथ निकालकर जबरा की ठंडी पीठ सहलाते हुए कहा—कल से मत आना मेरे साथ, नहीं तो ठंडे हो जाओगे। यह राँड पछुआ न जाने कहाँ से बर्फ़ लिए आ रही है। उठूँ, फिर एक चिलम भरूँ। किसी तरह रात तो कटे! आठ चिलम तो पी चुका। यह खेती का मज़ा है! और एक-एक भगवान ऐसे पड़े हैं, जिनके पास जाड़ा जाए तो गर्मी से घबड़ाकर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ़-कम्मल। मज़ाल है, जाड़े का गुज़र हो जाए। तकदीर की खूबी! मजूरी हम करें, मज़ा दूसरे लूटें!
हल्कू उठा, गड्ढ़े में से ज़रा-सी आग निकालकर चिलम भरी। जबरा भी उठ बैठा।

हल्कू ने चिलम पीते हुए कहा—पिएगा चिलम, जाड़ा तो क्या जाता है, ज़रा मन बदल जाता है।
जबरा ने उसके मुँह की ओर प्रेम से छलकती हुई आँखों से देखा।
हल्कू—आज और जाड़ा खा ले। कल से मैं यहाँ पुआल बिछा दूँगा। उसी में घुसकर बैठना, तब जाड़ा न लगेगा।
जबरा ने अपने पंजे उसकी घुटनियों पर रख दिए और उसके मुँह के पास अपना मुँह ले गया। हल्कू को उसकी गर्म साँस लगी।

चिलम पीकर हल्कू फिर लेटा और निश्चय करके लेटा कि चाहे कुछ हो अबकी सो जाऊँगा, पर एक ही क्षण में उसके हृदय में कंपन होने लगा। कभी इस करवट लेटता, कभी उस करवट, पर जाड़ा किसी पिशाच की भाँति उसकी छाती को दबाए हुए था।

जब किसी तरह न रहा गया तो उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसक सिर को थपथपाकर उसे अपनी गोद में सुला लिया। कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गंध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाए हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था। जबरा शायद यह समझ रहा था कि स्वर्ग यहीं है और हल्कू की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी। अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता। वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा को पहुँचा दिया। नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उनका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।

सहसा जबरा ने किसी जानवर की आहट पाई। इस विशेष आत्मीयता ने उसमे एक नई स्फूर्ति पैदा कर दी थी, जो हवा के ठंडें झोकों को तुच्छ समझती थी। वह झपटकर उठा और छपरी से बाहर आकर भूँकने लगा। हल्कू ने उसे कई बार चुमकारकर बुलाया, पर वह उसके पास न आया। हार में चारों तरफ़ दौड़-दौड़कर भूँकता रहा। एक क्षण के लिए आ भी जाता, तो तुरंत ही फिर दौड़ता। कर्तव्य उसके हृदय में अरमान की भाँति ही उछल रहा था।

एक घंटा और गुज़र गया। रात ने शीत को हवा से धधकाना शुरु किया। हल्कू उठ बैठा और दोनों घुटनों को छाती से मिलाकर सिर को उसमें छिपा लिया, फिर भी ठंड कम न हुई। ऐसा जान पड़ता था, सारा रक्त जम गया है, धमनियों मे रक्त की जगह हिम बह रहा है। उसने झुककर आकाश की ओर देखा, अभी कितनी रात बाक़ी है! सप्तर्षि अभी आकाश में आधे भी नहीं चढ़े। ऊपर आ जायँगे तब कहीं सबेरा होगा। अभी पहर से ऊपर रात है।

हल्कू के खेत से कोई एक गोली के टप्पे पर आमों का एक बाग़ था। पतझड़ शुरु हो गई थी। बाग़ में पत्तियों को ढेर लगा हुआ था। हल्कू ने सोचा, चलकर पत्तियाँ बटोरूँ और उन्हें जलाकर खूब तापूँ। रात को कोई मुझे पत्तियाँ बटोरते देख तो समझे कोई भूत है। कौन जाने, कोई जानवर ही छिपा बैठा हो, मगर अब तो बैठे नहीं रहा जाता।

उसने पास के अरहर के खेत में जाकर कई पौधे उखाड़ लिए और उनका एक झाड़ू बनाकर हाथ में सुलगता हुआ उपला लिए बग़ीचे की तरफ़ चला। जबरा ने उसे आते देखा तो पास आया और दुम हिलाने लगा।
हल्कू ने कहा—अब तो नहीं रहा जाता जबरू। चलो बग़ीचे में पत्तियाँ बटोरकर तापें। टाँठे हो जायेंगे, तो फिर आकर सोएँगें। अभी तो बहुत रात है।

जबरा ने कूँ-कूँ करके सहमति प्रकट की और आगे-आगे बग़ीचे की ओर चला।
बग़ीचे में खूब अँधेरा छाया हुआ था और अंधकार में निर्दय पवन पत्तियों को कुचलता हुआ चला जाता था। वृक्षों से ओस की बूँदे टप-टप नीचे टपक रही थीं।

एकाएक एक झोंका मेहँदी के फूलों की खूशबू लिए हुए आया।
हल्कू ने कहा—कैसी अच्छी महक आई जबरू! तुम्हारी नाक में भी तो सुगंध आ रही है?

जबरा को कहीं ज़मीन पर एक हड्डी पड़ी मिल गई थी। उसे चिंचोड़ रहा था।
हल्कू ने आग ज़मीन पर रख दी और पत्तियाँ बटोरने लगा। ज़रा देर में पत्तियों का ढेर लग गया। हाथ ठिठुरे जाते थे। नंगे पाँव गले जाते थे। और वह पत्तियों का पहाड़ खड़ा कर रहा था। इसी अलाव में वह ठंड को जलाकर भस्म कर देगा।

थोड़ी देर में अलाव जल उठा। उसकी लौ ऊपर वाले वृक्ष की पत्तियों को छू-छूकर भागने लगी। उस अस्थिर प्रकाश में बग़ीचे के विशाल वृक्ष ऐसे मालूम होते थे, मानो उस अथाह अंधकार को अपने सिरों पर सँभाले हुए हों। अंधकार के उस अनंत सागर में यह प्रकाश एक नौका के समान हिलता, मचलता हुआ जान पड़ता था।
हल्कू अलाव के सामने बैठा आग ताप रहा था। एक क्षण में उसने दोहर उताकर बगल में दबा ली, दोनों पाँव फैला दिए, मानों ठंड को ललकार रहा हो, तेरे जी में जो आए सो कर। ठंड की असीम शक्ति पर विजय पाकर वह विजय-गर्व को हृदय में छिपा न सकता था।

उसने जबरा से कहा—क्यों जब्बर, अब ठंड नहीं लग रही है?
जब्बर ने कूँ-कूँ करके मानो कहा—अब क्या ठंड लगती ही रहेगी?

'पहले से यह उपाय न सूझा, नहीं इतनी ठंड क्यों खाते।'
जब्बर ने पूँछ हिलाई।

'अच्छा आओ, इस अलाव को कूदकर पार करें। देखें, कौन निकल जाता है। अगर जल गए बच्चा, तो मैं दवा न करूँगा।'
जब्बर ने उस अग्निराशि की ओर कातर नेत्रों से देखा!

मुन्नी से कल न कह देना, नहीं तो लड़ाई करेगी।
यह कहता हुआ वह उछला और उस अलाव के ऊपर से साफ़ निकल गया। पैरों में ज़रा लपट लगी, पर वह कोई बात न थी। जबरा आग के गिर्द घूमकर उसके पास आ खड़ा हुआ।

हल्कू ने कहा—चलो-चलो इसकी सही नहीं! ऊपर से कूदकर आओ। वह फिर कूदा और अलाव के इस पार आ गया।

पत्तियाँ जल चुकी थीं। बग़ीचे में फिर अँधेरा छा गया था। राख के नीचे कुछ-कुछ आग बाक़ी थी, जो हवा का झोंका आ जाने पर ज़रा जाग उठती थी, पर एक क्षण में फिर आँखें बंद कर लेती थी!
हल्कू ने फिर चादर ओढ़ ली और गर्म राख के पास बैठा हुआ एक गीत गुनगुनाने लगा। उसके बदन में गर्मी आ गई थी, पर ज्यों-ज्यों शीत बढ़ती जाती थी, उसे आलस्य दबाए लेता था।

जबरा ज़ोर से भूँककर खेत की ओर भागा। हल्कू को ऐसा मालूम हुआ कि जानवरों का एक झुंड खेत में आया है। शायद नीलगायों का झुंड था। उनके कूदने-दौड़ने की आवाज़ें साफ़ कान में आ रही थी। फिर ऐसा मालूम हुआ कि खेत में चर रहीं हैं। उनके चबाने की आवाज़ चर-चर सुनाई देने लगी।
उसने दिल में कहा- नहीं, जबरा के होते कोई जानवर खेत में नहीं आ सकता। नोच ही डाले। मुझे भ्रम हो रहा है। कहाँ! अब तो कुछ नहीं सुनाई देता। मुझे भी कैसा धोखा हुआ!

उसने ज़ोर से आवाज़ लगाई—जबरा, जबरा।
जबरा भूँकता रहा। उसके पास न आया।

फिर खेत के चरे जाने की आहट मिली। अब वह अपने को धोखा न दे सका। उसे अपनी जगह से हिलना जहर लग रहा था। कैसा दंदाया हुआ था। इस जाड़े-पाले में खेत में जाना, जानवरों के पीछे दौड़ना असह्य जान पड़ा। वह अपनी जगह से न हिला।
उसने ज़ोर से आवाज़ लगाई—लिहो-लिहो !लिहो!!

जबरा फिर भूँक उठा। जानवर खेत चर रहे थे। फसल तैयार है। कैसी अच्छी खेती थी, पर ये दुष्ट जानवर उसका सर्वनाश किए डालते हैं।

हल्कू पक्का इरादा करके उठा और दो-तीन क़दम चला, पर एकाएक हवा का ऐसा ठंडा, चुभने वाला, बिच्छू के डंक का-सा झोंका लगा कि वह फिर बुझते हुए अलाव के पास आ बैठा और राख को कुरेदकर अपनी ठंडी देह को गर्माने लगा।

जबरा अपना गला फाड़ डालता था, नीलगायें खेत का सफाया किए डालती थीं और हल्कू गर्म राख के पास शांत बैठा हुआ था। अकर्मण्यता ने रस्सियों की भाँति उसे चारों तरफ़ से जकड़ रखा था।
उसी राख के पास गर्म ज़मीन पर वह चादर ओढ़ कर सो गया।

सबेरे जब उसकी नींद खुली, तब चारों तरफ़ धूप फैल गई थी और मुन्नी कह रही थी—क्या आज सोते ही रहोगे? तुम यहाँ आकर रम गए और उधर सारा खेत चौपट हो गया।
हल्कू ने उठकर कहा—क्या तू खेत से होकर आ रही है?

मुन्नी बोली—हाँ, सारे खेत का सत्यानाश हो गया। भला, ऐसा भी कोई सोता है। तुम्हारे यहाँ मड़ैया डालने से क्या हुआ?
हल्कू ने बहाना किया—मैं मरते-मरते बचा, तुझे अपने खेत की पड़ी है। पेट में ऐसा दरद हुआ कि मै ही जानता हूँ!

दोनों फिर खेत के डाँड़ पर आए। देखा, सारा खेत रौंदा पड़ा हुआ है और जबरा मड़ैया के नीचे चित लेटा है, मानो प्राण ही न हों।
दोनों खेत की दशा देख रहे थे। मुन्नी के मुख पर उदासी छायी थी, पर हल्कू प्रसन्न था।

मुन्नी ने चिंतित होकर कहा—अब मजूरी करके मालगुजारी भरनी पड़ेगी।
हल्कू ने प्रसन्न मुख से कहा—रात को ठंड में यहाँ सोना तो न पड़ेगा।

जीने का हौसला

किसी को मेरी जरूरत
हो ना हो
मेरे बच्चों को मेरी
बहुत ज्यादा जरूरत है।
यही बात मुझे जीने का
हौसला देती है।

मेरी मेहनत में
बच्चों का हौसला है।
जब-जब माथे से
पसीना चूता है,
बच्चों को आगे बढ़ने की
उड़ान मिलती है।
जब मन थक जाता है
बच्चों को आगे बढ़ाने
का मन करता है और
मुझे सुकून मिलता है,
थकान मिट जाती है।

जब मैं घर पहुंचता हूं
बच्चे मेरी ऊंगली पकड़कर
मुझे पिता बनने का
एहसास कराते हैं और
मुझे सुकून मिलता है।

बच्चों की मुस्कान में
मैं जिंदगी ढूंढ़ता हूं
और मुझे जीने का
हौसला मिलता है।

मेरी मेहनत में बच्चों के
सपने छूपे हैं और
मुझे जीने का
हौसला मिलता है।।

खुद को खुश करने पर ही दूसरों को खुश रख पाएंगे - जया किशोरी

सबसे पहले अपनी खुशी देखें - जया किशोरी

जया किशोरी ने बताया कि क्यों सबसे पहले अपनी खुशी देखनी चाहिए, जानिए क्यों दूसरों को खुश रखने के लिए खुद खुश रहना जरूरी है

अगर कोई आपसे सवाल करे कि आपके लिए सबसे पहले किसकी खुशी आती है या किसकी खुशी आपके लिए सबसे जरूरी है? तो आप क्या जवाब देंगे? ज्यादातर लोग इस सवाल के जवाब में अपने सबसे प्रिय व्यक्ति का नाम बताते हैं जैसे - मां, पिता, पत्नी, पति या बच्चे। लेकिन आपने कभी सोचा है कि सबसे पहले खुद का खुश होना जरूरी है? इस पर बेहतरीन टिप्स दे रही हैं मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी जी।

कई बार हम समाज के बनाए एक ढर्रे पर इतना चलने लगते हैं कि जीवन में लॉजिक ही देखना बंद कर देते हैं। ऐसे में समय-समय पर दार्शनिकों, आध्यात्मिक वक्ताओं और समाज सुधारकों को सुनना और पढ़ना जरूरी हो जाता है।

जया किशोरी बताती हैं कि जब आप खुद से प्यार करने की प्रोसेस में जाते हैं, तो आपकी मंशा यही होती है, कि मुझे खुद को इसीलिए खुश रखना है कि मैं अपने आसपास वाले लोगों को खुश रख सकूं।

बालको की वजह से क्षेत्र का संपूर्ण विकास संभव- मंत्री लखन

बालको की यह विकास यात्रा पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवीनीकृत जुबली पार्क का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। उद्घाटन समारोह में कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह, वार्ड 43 पार्षद हितानंद अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, बालको के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने पार्क का भ्रमण कर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं, बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र, वरिष्ठ नागरिकों के विश्राम स्थल, हरित परिसर एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सदस्यों ने बालको द्वारा नागरिक अधोसंरचना एवं हरित सार्वजनिक स्थलों के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, नवीनीकृत जुबली पार्क हरित वातावरण, योग एवं वॉकिंग ट्रैक तथा बच्चों के लिए विकसित आकर्षक सुविधाओं के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा। बालको ने सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, महिला सशक्तिकरण तथा अन्य जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उद्योग क्षेत्र के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है। मुझे विश्वास है कि बालको विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा। मैं इस सराहनीय पहल के लिए बालको प्रबंधन तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूँ।

बालको के सीईओ राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'बालको क्षेत्र में औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामाजिक एवं नागरिक अधोसंरचना के विकास में भी निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। नवीनीकृत जुबली पार्क इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह नागरिकों को मनोरंजन, स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता के लिए एक उत्कृष्ट सार्वजनिक स्थल प्रदान करेगा। इस सराहनीय पहल के लिए मैं बालको की पूरी टीम को बधाई देता हूँ तथा समुदाय का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिसने हमारे कार्यों पर निरंतर विश्वास बनाए रखा है।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा, बालको ने सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, नेहरू नगर में नाला निर्माण में सहयोग सहित अनेक जनहितकारी परियोजनाओं के माध्यम से निरंतर सिद्ध किया है। मैं इस प्रेरणादायी पहल के लिए बालको एवं राजेश कुमार सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

वर्ष 1990 में बालको की रजत जयंती (सिल्वर जुबली) के अवसर पर स्थापित जुबली पार्क का पुनर्विकास कर इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित खेल उपकरण, सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए ओपन जिम, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैठक एवं विश्राम क्षेत्र, योग एवं ध्यान के लिए समर्पित योगा प्लेटफॉर्म तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया गया है।

यह पार्क स्वास्थ्य, मनोरंजन, योग, फिटनेस एवं सामाजिक सहभागिता के लिए एक आदर्श सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया गया है। बालको की यह पहल टाउनशिप एवं आसपास के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में यह पार्क स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिक मेलजोल एवं सामुदायिक जुड़ाव का प्रमुख केंद्र बनेगा।

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा की संगोष्ठी, आपातकाल को बताया लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्याय माने जाने वाले आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'संविधान हत्या दिवस' के स्मरण में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सीएसईबी स्थित सीनियर क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने आपातकाल को संविधान, लोकतंत्र की आवाज़ और नागरिक स्वतंत्रता पर किया गया सबसे बड़ा प्रहार बताते हुए उस दौर के संघर्षों को याद किया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से विद्या भारती के प्रांतीय अध्यक्ष जुड़ावन ठाकुर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी उपस्थित रहे।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, नई पीढ़ी को बतानी होगी सच्चाई – जुड़ावन ठाकुर

जुड़ावन ठाकुर ने कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का ऐसा काला अध्याय है, जिसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया। उस समय लाखों लोगों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया, और प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई। जुड़ावन ठाकुर ने आगे कहां कि लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पुनः स्थापित हो सकी। आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी को आपातकाल के उस दौर की वास्तविकता से अवगत कराया जाए ताकि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति समाज में जागरूकता बनी रहे।कार्यक्रम में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया गया।

आपातकाल के दौरान लगभग 1 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया ? – गोपाल मोदी

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक लागू आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादास्पद और काला अध्याय था। इस दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, और राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लगभग 1 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जबकि हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक नेताओं और पत्रकारों को मीसा जैसे कानूनों के तहत हिरासत में रखा गया। गोपाल मोदी ने कहा कि यह दौर लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का प्रतीक रहा, जिससे देशवासियों को लोकतंत्र की रक्षा के प्रति सदैव सजग रहने की सीख मिलती है। इस अवसर पर सह संभाग प्रभारी डॉ. राजीव सिंह, जिला महामंत्री संजय शर्मा, एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, वरिष्ठ नेता विकास अग्रवाल, योगेश जैन, रेणुका राठिया, नवीन अरोड़ा, कमला बरेठ, सतीश झा, नवीन मारकंडे, अर्जुन गुप्ता, योगेश मिश्रा, मनोज लहरे, मनीष मिश्रा, प्रीति स्वर्णकार, अजय चंद्रा, कुलसिंह कंवर, प्रकाश अग्रवाल, राजेश लहरे द्वारिका शर्मा, मोंटी पटेल, अविनाश दुबे सहित बड़ी संख्या में आमजन, प्रबुद्धजन, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिली कोरबा प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी, मिला आत्मीय स्वागत और मार्गदर्शन

प्रेस क्लब कोरबा की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में आएंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

कोरबा/रायपुर(दिव्य आकाश)।

कोरबा प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने सोमवार 22 जून को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास (सीएम हाउस) में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। प्रेस क्लब के अध्यक्ष नौशाद खान के नेतृत्व में हुई इस गरिमामय भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों का अत्यंत आत्मीयता से स्वागत किया तथा नई टीम को सफल कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को कोरबा प्रेस क्लब के आगामी शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने इस स्नेहपूर्ण आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही इस कार्यक्रम के लिए तिथि निर्धारित करेंगे।

इस दौरान कोरबा प्रेस क्लब की ओर से अध्यक्ष नौशाद खान, पूर्व अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, संरक्षक कमलेश यादव, सचिव दिनेश राज, उपाध्यक्ष राजकुमार शाह, कोषाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव तथा कार्यकारिणी सदस्य द्वय आकाश शर्मा एवं राजेश कुमार मिश्रा (मिट्ठू) उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण और आत्मीय मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार कृष्णा दास विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनका इस भेंट को सफल बनाने में सराहनीय सहयोग रहा।

सकारात्मकता के साथ एकजुट होकर करें कार्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रेस क्लब की नई टीम से विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- सभी साथी एकजुट होकर सकारात्मकता के साथ कार्य करें और कोरबा में प्रेस क्लब को एक मजबूत व नई पहचान दिलाएं। पत्रकारिता के क्षेत्र में समाजहित और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए बेहतर कार्य करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूरी कार्यकारिणी को भरोसा दिलाया कि कोरबा के पत्रकारों के कल्याण और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार तथा उनका व्यक्तिगत सहयोग सदैव बना रहेगा। मुख्यमंत्री से मिले इस सकारात्मक आश्वासन के बाद कोरबा जिले के पत्रकार साथियों में हर्ष की लहर है।

रायपुर और बिलासपुर प्रेस क्लब ने किया स्वागत, प्रदेश स्तरीय भव्य पत्रकार सम्मेलन की बनी रूपरेखा

रायपुर और बिलासपुर प्रेस क्लब ने किया सम्मान, प्रदेश स्तरीय आयोजन पर चर्चा

राजधानी प्रवास के दौरान कोरबा प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की मुलाकात रायपुर प्रेस क्लब और बिलासपुर प्रेस क्लब की टीमों से भी हुई। बिलासपुर के प्रेस क्लब में अध्यक्ष अजीत मिश्रा व उनकी टीम ने स्वागत एवं सम्मान किया, वहीं रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी समेत सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कोरबा की नवीन कार्यकारिणी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए प्रतीक चिन्ह के साथ गमछा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ में पत्रकारों के हितों, उनकी सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा भी हुई। तीनों प्रेस क्लबों ने पत्रकारों के व्यापक हित में एक मंच पर आकर एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प किया।

साथ ही आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को एक सूत्र में पिरोने और पत्रकारिता के स्तर को और ऊंचा उठाने के उद्देश्य से एक भव्य प्रदेश स्तरीय आयोजन को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई, जिसकी रूपरेखा जल्द ही तैयार की जाएगी।

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला, कांग्रेस ने देश को तानाशाही की ओर धकेला – अनुज शर्मा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा प्रेस क्लब, तिलक भवन कोरबा में आयोजित प्रेस वार्ता में धरसींवा विधायक एवं भाजपा नेता अनुज शर्मा ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताते हुए कहा कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक देश ने तानाशाही और दमन का दौर देखा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सलाह पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल लागू किया गया, जिसके बाद नागरिक अधिकारों को कुचल दिया गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को निष्प्रभावी बना दिया गया।

अनुज शर्मा ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध ठहराए जाने के बाद सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लगाया गया। इसके साथ ही देशभर में विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों की गिरफ्तारियां शुरू हो गईं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के लंबे संघर्ष और बलिदान से प्राप्त लोकतंत्र को कांग्रेस सरकार ने एक रात में समाप्त कर देश को तानाशाही की दिशा में धकेल दिया। आपातकाल के दौरान संसद, न्यायपालिका और राष्ट्रपति जैसे संवैधानिक संस्थानों की भूमिका कमजोर कर दी गई तथा संविधान में व्यापक संशोधन किए गए।

आपातकाल में कुचली गई अभिव्यक्ति की आजादी, पत्रकारों को भेजा गया जेल – अनुज शर्मा

विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सबसे बड़ा प्रहार आपातकाल के दौरान हुआ। अखबारों की बिजली काट दी गई, समाचारों पर सेंसरशिप लागू कर दी गई और पत्रकारों को जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि हजारों समाचार पत्रों को जब्त किया गया तथा सैकड़ों पत्रकारों को मीसा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया। मीडिया पर सरकारी दबाव बनाकर लोकतंत्र की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि भविष्य में लोकतांत्रिक मूल्यों पर किसी प्रकार का आघात न हो सके। भारतीय जनता पार्टी लगातार जनजागरण के माध्यम से लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के प्रति जागरूकता का कार्य कर रही है।

प्रेस वार्ता में महापौर संजूदेवी राजपूत, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चावलानी, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन, जिला सह कोषाध्यक्ष नवीन अरोड़ा, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया नीरज ठाकुर, मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश राठौर, योगेश मिश्रा व राकेश नागरमल अग्रवाल सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफल ट्राइबल यूथ हॉस्टल के विद्यार्थियों से की मुलाकात

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए ट्राइबल यूथ हॉस्टल, द्वारका के विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के मेहनतकश परिवारों के सपनों और संघर्ष का सम्मान भी है।

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के परिणामों में छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी कर रहे 13 अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। विशेष बात यह है कि इनमें अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय, ग्रामीण एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से आते हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी प्रतिभा, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में सफल होने वाले विद्यार्थियों में गौतम कुमार, कुलभूषण सिंह पोया, हरिचंद्र प्रकाश सिंह, मयंक रात्रे, मलिकराम पटेल, आर्यन राठौर, चेतन लाल, हरीश कुमार पटेल, किशन लाल साहू, सत्यनारायण चंद्राकर, सुश्री दीक्षा दिवाकर, विकेश कुर्रे तथा प्रकाश पटेल शामिल हैं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उपस्थित थे। दोनों मंत्रियों ने विद्यार्थियों को प्रारंभिक परीक्षा में सफलता पर बधाई देते हुए मुख्य परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें पूरी लगन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि प्रतिभा कभी भी आर्थिक संसाधनों या पारिवारिक पृष्ठभूमि की मोहताज नहीं होती। किसी के पिता राजमिस्त्री हैं, कोई किसान परिवार से है तो कोई शिक्षक का बेटा है, लेकिन इन सभी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा के प्रथम चरण में सफलता प्राप्त की है। यह पूरे प्रदेश, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, अध्ययन पद्धति, संघर्ष और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों ने ट्राइबल यूथ हॉस्टल में उपलब्ध अध्ययन वातावरण, मार्गदर्शन और सुविधाओं के अनुभव साझा किए तथा बताया कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुकूल माहौल ने उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने का आत्मविश्वास दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रारंभिक परीक्षा की सफलता एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन वास्तविक लक्ष्य मुख्य परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा, अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करने की सलाह देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता और निरंतर प्रयास ही सफलता का सबसे बड़ा आधार है।

वेदांता ने रचा इतिहास, बीएसई और एनएसई पर चार स्वतंत्र कंपनियों की लिस्टिंग

'एल्युमिनियम, ऑयल एवं गैस, पावर और आयरन एवं स्टील क्षेत्रों में एक साथ सबसे अधिक स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग का ऐतिहासिक रिकॉर्ड'

मुंबई/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह ने 17 जून भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी चार नव-डिमर्ज्ड कंपनियों को बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट किया। इस ऐतिहासिक लिस्टिंग के साथ रणनीतिक धातुओं, क्रिटिकल मिनरल्स, एल्युमिनियम, ऑयल एवं गैस, पावर तथा आयरन एवं स्टील क्षेत्रों में केंद्रित, विश्वस्तरीय व्यवसायों का एक मजबूत पोर्टफोलियो तैयार हुआ है। ये व्यवसाय भारत की दीर्घकालिक औद्योगिक, अवसंरचनात्मक और आत्मनिर्भरता संबंधी महत्वाकांक्षाओं के केंद्र में हैं।

वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता आयरन एंड स्टील और वेदांता पावर की लिस्टिंग भविष्य के लिए तैयार उस परिवर्तनकारी रणनीति का परिणाम है, जिसका उद्देश्य वैल्यू अनलॉक करना, व्यवसायों पर फोकस बढ़ाना और भारत को वैश्विक आर्थिक एवं विनिर्माण शक्ति बनाने की दिशा में सेक्टर-लीडर कंपनियां तैयार करना है। ये नव-सूचीबद्ध कंपनियां 17 जून से समूह की प्रमुख सूचीबद्ध इकाई वेदांता लिमिटेड के साथ बीएसई और एनएसई पर ट्रेडिंग शुरू करेंगी। वेदांता लिमिटेड की आधारशिला हिंदुस्तान जिंक तथा क्रिटिकल मिनरल्स व्यवसायों के वैश्विक महत्व वाले पोर्टफोलियो पर आधारित है।

वेदांता एल्युमिनियम (बीएसई: 544780 एवं एनएसई: वीएएमएल), वैश्विक एल्युमिनियम चैंपियन बनने की ओर

वेदांता एल्युमिनियम भारत के सबसे बड़े एल्युमिनियम उत्पादक और चीन के बाहर दुनिया के तीसरे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी स्वतंत्र यात्रा शुरू कर रहा है। इसका आधार ओडिशा के झारसुगुड़ा स्थित दुनिया का सबसे बड़ा एल्युमिनियम स्मेल्टर है। बालको में मात्र 1 लाख टन उत्पादन से शुरू हुई यात्रा आज 30 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता तक पहुंच चुकी है, जिससे वेदांता दुनिया के सबसे बड़े और सबसे कम लागत वाले एल्युमिनियम उत्पादकों में शामिल हो गया है। कंपनी अगले तीन वर्षों में अपनी क्षमता को बढ़ाकर 60 लाख टन प्रतिवर्ष करने की योजना बना रही है और उसका लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा तथा सबसे कम लागत वाला पूर्णतः एकीकृत एल्युमिनियम उत्पादक बनना है। प्राथमिक धातु उत्पादन से आगे बढ़ते हुए, वेदांता एल्युमिनियम हजारों डाउनस्ट्रीम उद्योगों और विनिर्माण इकाइयों के विकास को भी प्रोत्साहित करेगा, जिससे भारत के व्यापक औद्योगिकीकरण एजेंडे को मजबूती मिलेगी।

वेदांता ऑयल एंड गैस (बीएसई: 382914 एवं एनएसई: वीओजीएल), भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती

वेदांता ऑयल एंड गैस भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ऑयल एवं गैस उत्पादक कंपनी और देश के सबसे रणनीतिक ऊर्जा व्यवसायों में से एक के रूप में बाजार में प्रवेश कर रही है।

आने वाले दशक में भारत में हाइड्रोकार्बन की मांग दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने की संभावना है। ऐसे में कंपनी देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आयात निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। ऋण-मुक्त बैलेंस शीट के साथ विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रही कंपनी वित्तीय मजबूती, परिचालन क्षमता और संसाधन संभावनाओं का अनूठा संयोजन प्रस्तुत करती है। वेदांता अगले तीन से पांच वर्षों में लगभग 5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर उत्पादन को बढ़ाकर 5 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचाने की योजना बना रही है। इसके विकास पोर्टफोलियो में टाइट ऑयल, शेल गैस, शैलो-वॉटर एवं डीप-वॉटर एसेट्स, सैटेलाइट फील्ड्स तथा असम और पूर्वोत्तर भारत में महत्वपूर्ण एकरेज शामिल हैं। विविध संसाधन आधार और उन्नत वैश्विक तकनीकों तक पहुंच के कारण कंपनी भारत की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

वेदांता समूह के लिए आज का दिन ऐतिहासिक- चेयरमैन अनिल अग्रवाल

लिस्टिंग समारोह को संबोधित करते हुए वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा- 'आज वेदांता के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास है। 24 वर्ष पहले वेदांता लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी थी और आगे चलकर एफटीएसई-100 कंपनी का दर्जा हासिल किया। उस दिन बोया गया बीज आज एक विशाल बरगद के पेड़ में बदल चुका है और उसके संरक्षण में विकसित हुए पौधे अब प्रमुख क्षेत्रों में दिग्गज बनने तथा भारत की तेज़ आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। अभूतपूर्व विकास का अगला अध्याय अब मुंबई में शुरू हो रहा है, जो वह शहर है जहां मेरी कारोबारी यात्रा की शुरुआत हुई थी।

हमारी पूरी यात्रा के दौरान शेयरधारकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सर्वोच्च रही है। पिछले पांच वर्षों में हमने 300 प्रतिशत से अधिक का कुल शेयरधारक प्रतिफल दिया है, जो निफ्टी के रिटर्न से लगभग पांच गुना अधिक है। इसके साथ ही हमने 70 प्रतिशत से अधिक का संचयी डिविडेंड यील्ड भी प्रदान किया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मैन्युफेक्चरिंग और एनर्जी ट्रांजिशन से संचालित भविष्य की अर्थव्यवस्था में मिनरल्स, मेटल्स और ऊर्जा की मांग अत्यधिक बढ़ने वाली है। वर्तमान में भारत अपनी आवश्यकताओं का लगभग 50 प्रतिशत आयात करता है, जबकि भविष्य में हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। आज सूचीबद्ध हुई कंपनियां इन महत्वपूर्ण कच्चे माल की मांग और आपूर्ति के बीच मौजूद बड़े अंतर को कम करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

इन कंपनियों का निर्माण आने वाली पीढ़ियों तक राष्ट्र की सेवा करने, शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने, भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने और विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। हालांकि, वेदांता की विकास यात्रा का अगला अध्याय केवल हम अकेले नहीं लिख सकते। इसके लिए हमारे शेयरधारकों का विश्वास, सरकार का सहयोग और 1.5 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं तथा सहभागिता की आवश्यकता होगी। भारत जैसा कोई देश नहीं है और यह भारत का समय है।'

भारत के औद्योगिक भविष्य का नया अध्याय

यह लिस्टिंग ऐसे समय में हुई है जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभर रहा है। आधुनिक अर्थव्यवस्था को गति देने वाली आवश्यक सामग्रियों, जिनमें ऑयल एवं गैस, सोना, चांदी, जिंक, एल्युमिनियम, आयरन एवं स्टील, कॉपर और कोयला शामिल हैं, की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे परिदृश्य में वेदांता के व्यवसाय हमारे समय के सबसे बड़े औद्योगिक विकास अवसरों के केंद्र में स्थित हैं। सामूहिक रूप से ये भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अवसंरचना निर्माण, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटलीकरण, एआई-आधारित विकास, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन टेक्नोलॉजी, एनर्जी ट्रांजिशन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास की महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देंगे।

वेदांता लिमिटेड : भारत का क्रिटिकल मिनरल्स चैंपियन

नई सूचीबद्ध कंपनियों के साथ-साथ वेदांता लिमिटेड समूह की प्रमुख सूचीबद्ध इकाई बनी रहेगी और भारत के सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन तथा क्रिटिकल मिनरल्स व्यवसायों में से एक होगी।

विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और तीसरी सबसे बड़ी सिल्वर उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक इसकी आधारशिला है। इसके अतिरिक्त कंपनी के पास जिंक, सिल्वर, कॉपर, निकेल, फेरो अलॉयज तथा अन्य रणनीतिक खनिजों का वैश्विक महत्व वाला पोर्टफोलियो है। हिंदुस्तान जिंक के माध्यम से कंपनी भारत की कृषि महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए 15 लाख टन क्षमता का फर्टिलाइज़र प्लांट भी विकसित कर रही है। वेदांता लिमिटेड भारत की एकमात्र निकेल उत्पादक कंपनी है और ऊर्जा परिवर्तन तकनीकों तथा एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए निकेल उत्पादन को बढ़ाकर 60,000 टन प्रतिवर्ष करने की योजना बना रही है। कंपनी के कॉपर व्यवसाय घरेलू आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जबकि फैकोर भारत का सबसे बड़ा स्पेशल-ग्रेड फेरो क्रोम उत्पादक बनने की दिशा में अग्रसर है तथा कुछ मैंगनीज सेगमेंट्स में जल्द ही देश की एकमात्र निजी क्षेत्र की उत्पादक कंपनी बन जाएगी।

ये सभी व्यवसाय मिलकर वेदांता लिमिटेड को भारत की दीर्घकालिक क्रिटिकल मिनरल्स रणनीति, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भविष्य के विनिर्माण विकास के केंद्र में स्थापित करते हैं।

वेदांता आयरन एंड स्टील (बीएसई: 544784 एवं एनएसई: वीआईएसएल), भारत के अवसंरचना विकास की मजबूत नींव

वेदांता आयरन एंड स्टील एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण, संसाधन-सुरक्षित और ऋण-मुक्त व्यवसाय है, जो भारत की अवसंरचना और विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप है।

वर्तमान में लगभग 40 लाख टन वार्षिक स्टील उत्पादन करने वाली कंपनी ने क्षमता को बढ़ाकर 1.5 करोड़ टन प्रतिवर्ष तक पहुंचाने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है।

कंपनी को तीन महत्वपूर्ण इनपुट्स की उपलब्धता के रूप में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त है, गोवा, ओडिशा और कर्नाटक में लगभग 4 अरब टन आयरन ओर संसाधन, लगभग 800 केटीपीए मेटलर्जिकल कोक तथा गैस पाइपलाइन अवसंरचना तक सीधी पहुंच। ये एकीकृत क्षमताएं कंपनी को भारत में तेजी से बढ़ती स्टील मांग का लाभ उठाने के लिए मजबूत स्थिति प्रदान करती हैं। व्यवसाय का फोकस ग्रीन स्टील, इलेक्ट्रिकल स्टील और स्पेशियलिटी स्टील जैसे उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों पर रहेगा।

वेदांता पावर (बीएसई: 544781 एवं एनएसई: वीईडी पावर), भारत की अगली औद्योगिक क्रांति को ऊर्जा

वेदांता पावर को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत की स्थिर बेसलोड बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया जा रहा है।

भारत की बिजली मांग अगले दशक में लगभग 240 गीगावाट से बढ़कर 460 गीगावाट से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में कंपनी देश की विकास महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के बड़े अवसर देख रही है। 4.2 गीगावाट परिचालन क्षमता, दीर्घकालिक पावर परचेज एग्रीमेंट्स और सुरक्षित कोल माइंस के आधार पर वेदांता पावर पहले से ही भारत की पांचवीं सबसे बड़ी थर्मल पावर उत्पादक कंपनी है। कंपनी की योजना क्षमता को बढ़ाकर 20 गीगावाट तक पहुंचाने और देश की अग्रणी पावर कंपनियों में शामिल होने की है।

विस्तार का अधिकांश हिस्सा ब्राउनफील्ड एक्सपैंशन के माध्यम से होगा। कंपनी का मानना है कि आने वाले दशकों तक भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले की महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी, जो नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के साथ सह-अस्तित्व में रहेगा। साथ ही, कंपनी न्यूक्लियर एनर्जी के अवसरों का भी मूल्यांकन कर रही है, जिसे वह स्वच्छ, विश्वसनीय और 24×7 बिजली स्रोत तथा भारत के एनर्जी ट्रांजिशन का प्रमुख सक्षमकर्ता मानती है।

वेदांता ने एक दशक में सरकारी खजाने में करीब रु5 लाख करोड़ का योगदान दिया

मुंबई/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

विविध प्राकृतिक संसाधनों में देश की अग्रणी कंपनी वेदांता लिमिटेड (बीएसई: 500295 और एनएसई: वीईडीएल) ने कंपनी की 11वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 26 में सरकारी खजाने में रु 62,722 करोड़ का योगदान दिया है। यह रिपोर्ट देश के निर्माण और पारदर्शी प्रशासन गवर्नेंस के लिए वेदांता की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। यह योगदान कंपनी के संचालन से होने वाले कुल राजस्व का 36 फीसदी है, जो भारत के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है।

यह पिछले साल की तुलना में योगदान में 13.3 फीसदी की बढ़ोतरी है, जिसके साथ पिछले दस सालों में सरकारी खजाने में वेदांता का कुल योगदान रु4,83,034 करोड़ हो गया है। कंपनी ने वित्तीय अनुशासन, राष्ट्र-निर्माण और विकसित भारत मिशन को समर्थन देने पर विशेष रूप से ध्यान दिया है। यह ग्रुप सरकारी खजाने में योगदान देने वाले भारत के टॉप 3 प्राइवेट सेक्टरों के सदनों में शामिल है।

सरकारी खजाने में यह योगदान वित्तीय वर्ष 26 में वेदांता के सबसे अच्छे फाइनेंशियल परफॉर्मेंस

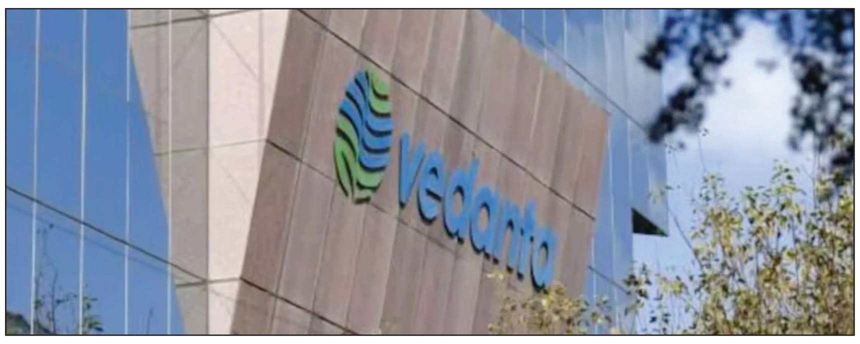

की वजह से हुआ। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 15 फीसदी बढ़कर रु 1,74,075 करोड़ हो गया - जो कंपनी के इतिहास में सबसे ज़्यादा है - जबकि म्ठप्ज्क। 29 फीसदी बढ़कर रु55,976 करोड़ पर पहुंच गया। इसी तरह कर के बाद मुनाफ़ा (पीएटी) 22 फीसदी बढ़कर रु25,096 करोड़ हो गया। कंपनी की बैलेंस शीट भी काफी मज़बूत हुई, शुद्ध ऋण म्ठप्ज्क। के मुकाबले 1.22 गुना से बेहतर होकर 0.95गुना हो गया - जो 14 तिमाहियों में इसका सबसे अच्छा स्तर है।

वेदांता के अलग-अलग तरह के बिज़नेस पोर्टफोलियो - जिसमें जिंक-लेड-सिल्वर, एल्युमीनियम, कॉपर, आयरन ओर, स्टील, पावर, निकेल, क्रोम और ऑयल एंड गैस शामिल हैं - में मज़बूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस की वजह से कंपनी का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस भी बहुत अच्छा रहा।

ज़िंक ने रु 19,053 करोड़ के साथ सबसे अधिक योगदान दिया, इसके बाद एल्युमीनियम (जिसे अब वेदांता एल्युमीनियम के तौर पर लिस्ट किया गया है) का योगदान रु 15,788 करोड़ और ऑयल एंड गैस (जिसे अब वेदांता ऑयल एंड गैस के तौर पर लिस्ट किया गया है) का योगदान रु 11,697 करोड़ रहा - यह महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा के क्षेत्र में वेदांता के पोर्टफोलियो के विस्तार और विविधता को दर्शाता है।

वेदांता लिमिटेड की टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

इस रिपोर्ट का 11वां संस्करण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वेदांता के टैक्स योगदान का विस्तृत ब्यौरा देता है:

सरकारी रॉयल्टी और प्रॉफ़िट पेट्रोलियम (रु14,840 करोड़)

इसमें राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक और असम की राज्य सरकारों को बॉक्साइट, लेड-ज़िंक, सिल्वर, आयरन ओर, क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस के लिए दी गई रॉयल्टी, साथ ही प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत भारत सरकार को दिया गया प्रॉफ़िट पेट्रोलियम शामिल है।

इनकम और कैपिटल पर टैक्स (रु8,290 करोड़)

इसमें सभी अधिकार क्षेत्रों में कानूनी रिटर्न में फ़ाइल किए गए कॉर्पोरेट इनकम टैक्स शामिल हैं।

अन्य टैक्स (रु 11,897 करोड़)

इसमें एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट पर रु5,980 करोड़ की ड्यूटी, रु2,503 करोड़ का ऑयल सेस/एनसीसीडी, रु 1,252 करोड़ की इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी और रु 1,663 करोड़ का इनएलिजिबल जीएसटी शामिल है।

इनडायरेक्ट टैक्स (रु21,777 करोड़)

इसमें सभी बिज़नेस युनिट्स में माल और सर्विस की बिक्री से सीजीएसटी, एसजीएसटी और आईजीएसटी शामिल हैं।

विदहोल्डिंग टैक्स (रु3,188 करोड़)

इसमें पेरोल टैक्स और वेंडर और कॉन्ट्रैक्टर पेमेंट पर सोर्स पर काटे गए टैक्स शामिल हैं।

भारत सरकार को कॉर्पोरेट डिविडेंड (रु1,180 करोड़)

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में भारत सरकार की 27.92फीसदी हिस्सेदारी के ज़रिए पेमेंट किया गया। कर में पारदर्शिता वेदांता के बड़े एनवायरनमेंटल, सोशल और गवर्नेंस (ईएसजी) एजेंडा का मुख्य हिस्सा है। लगातार 11 सालों से बरकरार अपने स्वैच्छिक एवं सक्रिय डिस्क्लोजर के ज़रिए कंपनी का उद्देश्य हितधारकों का भरोसा बढ़ाना और कॉर्पोरेट प्रशासन के सर्वोच्च मानक सुनिश्चित करना है। वेदांता के कर सिद्धानत बी-टीम रिस्पॉन्सिबल टैक्स प्रिंसिपल और एक्सट्रैक्टिव इंडस्ट्रीज ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव के साथ करीब से जुड़े हुए हैं, जो ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिकता के लिए इसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाते हैं।

वित्तीय वर्ष 26 की टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट देखने के लिए विज़िट करें:

tax-transparency-report.pdf

बालको की स्वास्थ्य पहल से 1.2 लाख लोगों तक पहुंची बेहतर चिकित्सा सेवाएं

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं समाज के उन लोगों तक भी पहुंचें, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कभी इलाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। वहां भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) की मोबाइल हेल्थ वैन (एमएचवी) और प्रोजेक्ट आरोग्य महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। इनके माध्यम से वित्तवर्ष 2026 में लगभग 1.2 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल चुका है।

पाढ़ीमार गांव की 60 वर्षीय फूलमणि एक्का कई वर्षों से गठिया के कारण जोड़ों के दर्द से परेशान थीं। दर्द इतना बढ़ गया था कि उनके लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना भी कठिन हो गया था। दूरी, शारीरिक परेशानी और आर्थिक चुनौतियां उनके इलाज में बड़ी बाधा थीं।

फूलमणि बताती हैं, 'मेरे लिए इलाज के लिए बाहर जाना संभव नहीं था। जब बालको की मोबाइल हेल्थ वैन हमारे गांव आने लगी, तब मुझे घर के पास ही डॉक्टरों की सलाह और उपचार मिलने लगा। अब मेरा इलाज नियमित रूप से हो रहा है और हर दौरे पर मुझे फिजियोथेरेपी एवं व्यायाम संबंधी सही मार्गदर्शन भी मिलता है।'

फूलमणि की कहानी ग्रामीण भारत की उस वास्तविकता को दर्शाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अक्सर दूरी, संसाधनों की कमी और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं के अभाव से प्रभावित होती है। ऐसे क्षेत्रों में समय पर जांच, नियमित परामर्श और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के करीब पहुंचाने के उद्देश्य से बालको की मोबाइल हेल्थ वैन आसपास के 70 गांवों एवं समुदाय में प्रत्येक पखवाड़े नियमित रूप से पहुंचती है। बदलती स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसमें फिजियोथेरेपी सेवाएं और प्रयोगशाला जांच सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। वैन में 40 से अधिक प्रकार की जांच मौके पर ही की जा सकती हैं, जिससे समय रहते रोगों की पहचान, नियमित स्वास्थ्य निगरानी और आवश्यक उपचार सुनिश्चित हो पाता है। वित्तीय वर्ष 2026 में इस पहल से 27,000 से अधिक लोगों को लाभ मिला।

बालकोनगर के समीप स्थित एक गांव की निवासी नेहा कंवर के लिए प्रोजेक्ट आरोग्य उनकी बेटी के स्वास्थ्य सुधार का आधार बना। वह बताती हैं, 'जब मैं इस परियोजना से जुड़ी, तब मेरी ढाई वर्ष की बेटी काव्या का वजन केवल 11 किलो था। परियोजना के तहत मिले पोषण संबंधी मार्गदर्शन के बाद मैंने घर के भोजन में कुछ बदलाव किए। केवल दो महीनों में उसका वजन 1.5 किलो बढ़ गया और वह सामान्य वजन की श्रेणी में आ गई। आज मैं अपने गांव की अन्य माताओं को भी ऐसे उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करती हूं। इसके लिए मैं बालको की आभारी हूं।'

स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करने और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को समुदायों तक पहुंचाने के माध्यम से प्रोजेक्ट आरोग्य ने वित्तीय वर्ष 2026 में 93,000 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया।

मोबाइल हेल्थ वैन और प्रोजेक्ट आरोग्य दोनों मिलकर बालको की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके तहत स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के द्वार तक पहुंचाने, जागरूकता बढ़ाने और बेहतर उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। शीघ्र स्वास्थ्य आवश्यकताओं के साथ-साथ दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए बालको स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर समुदाय के निर्माण में निरंतर योगदान दे रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बालको की भूमिका सराहनीय-सीएचएमओ डॉ. केशरी

कोरबा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी कहते हैं, छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में बालको जैसे उद्योग महत्वपूर्ण सहयोगी की भूमिका निभा रहे हैं। प्रोजेक्ट आरोग्य और मोबाइल हेल्थ वैन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जिससे क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच दोनों में सुधार हुआ है।

स्वास्थ्य शिविरों से लोग हो रहे लाभान्वित

प्रोजेक्ट आरोग्य समुदाय आधारित और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देता है। इसके तहत स्वास्थ्य शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जाती हैं। कार्यक्रम के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण, एनीमिया नियंत्रण, एचआईवी, टीबी तथा नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता और चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है।

बालको का जुबली पार्क, कोरबा जिले के सुंदर एवं व्यवस्थित पार्कों में से होगा एक

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवनिर्मित जुबली पार्क का निर्माण किया गया है। कंपनी द्वारा विकसित यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित खेल उपकरण, कसरत करने के लिए विभिन्न उपकरण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैठक एवं विश्राम क्षेत्र, योग एवं ध्यान के लिए समर्पित योगा प्लेटफॉर्म तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया गया है। हरियाली, सौंदर्यीकरण एवं आरामदायक सुविधाओं से युक्त यह पार्क समुदाय के लिए एक आदर्श मनोरंजन एवं स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

जुबली पार्क को केवल मनोरंजन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि समुदाय के लिए एक जीवंत सामाजिक एवं स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक सहभागिता के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना है। पार्क में समय-समय पर योग, फिटनेस एवं अन्य सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग लाभान्वित हो सकें। बालको की यह पहल टाउनशिप एवं आसपास के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में यह पार्क स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिक मेलजोल एवं सामुदायिक जुड़ाव का प्रमुख केंद्र बनेगा।

बालको अपनी सामुदायिक जिम्मेदारियों का बखूबी कर रहा निर्वहन- हितानंद

नगर निगम कोरबा, वार्ड क्रमांक 43 के पार्षद हितानंद अग्रवाल ने कहा, 'बालको द्वारा विकसित जुबली पार्क समुदाय के लिए एक अत्यंत सराहनीय और उपयोगी कार्य है। पार्क में योग एवं ध्यान के लिए विशेष योगा प्लेटफॉर्म, बच्चों के मनोरंजन के लिए आधुनिक झूले एवं खेल उपकरण, आकर्षक हरियाली तथा सुव्यवस्थित सुविधाएं विकसित की गई हैं,

जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि यह उद्यान कोरबा जिले के सबसे सुंदर एवं सुव्यवस्थित पार्कों में से एक है। बालको ने समुदाय के लिए एक ऐसा स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल तैयार किया है, जहां सभी आयु वर्ग के लोग स्वास्थ्य, मनोरंजन और प्रकृति के बीच गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत कर सकेंगे।

पार्षद ने कहा कि बालको अपनी सामुदायिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य कर रहा है। टाउनशिप एवं आसपास के क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण एवं चौड़ीकरण, आंबेडकर स्टेडियम का आधुनिकीकरण एवं सौंदर्यीकरण, नेहरू पार्क का निर्माण तथा अन्य अनेक जनहितकारी परियोजनाएं इसका प्रमाण हैं। ये सभी कार्य समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सामुदायिक विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने जुबली पार्क जैसी जनहितकारी पहल के लिए श्री सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

बालको ने विश्व योग दिवस पर युवाओं और समुदाय को दिया स्वास्थ्य एवं जागरूकता का संदेश

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व योग दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर योग शिविर आयोजित किए। मितान भवन में आयोजित योगाभ्यास सत्र में बालको कर्मचारी, व्यावसायिक साझेदार तथा वेदांता स्किल स्कूल के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इसके साथ ही कंपनी के सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत संचालित वेदांता स्किल स्कूलों एवं नंद घरों में भी योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समुदाय में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

योग दिवस के अवसर पर बालको के तीनों वेदांता स्किल स्कूल केंद्र, कोरबा, कवर्धा एवं मैनपाट में प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम से पूर्व एक सप्ताह तक नियमित योगाभ्यास सत्र आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों को योग के महत्व एवं इसके लाभों के प्रति जागरूक किया जा सके। वेदांता स्किल स्कूल, कोरबा में 140 से अधिक, कवर्धा में 20 से अधिक तथा मैनपाट में 20 से अधिक प्रशिक्षुओं ने योगाभ्यास में भाग लिया। बालको द्वारा संचालित नंद घर में भी योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 300 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को सरल योगासन, श्वास अभ्यास एवं ध्यान की गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य, अनुशासन और एकाग्रता के महत्व से परिचित कराया गया।

इसके साथ ही वेदांता समूह के विभिन्न व्यवसायों, वेदांता लिमिटेड (जिसमें हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, वेदांता कॉपर, वेदांता निकेल, फेकोर तथा अन्य सहायक कंपनियां शामिल हैं), वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता आयरन एंड स्टील और वेदांता पावर ने भी स्वस्थ जीवनशैली और सजगता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग सत्रों एवं वेलनेस कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन गतिविधियों का दायरा कार्यस्थलों से आगे बढ़कर वेदांता की प्रमुख सामाजिक पहल 'नंद घर' तक भी पहुंचा। देश के 17 राज्यों में संचालित 13,000 से अधिक नंद घर केंद्र प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। इसके अतिरिक्त, झारखंड स्थित वेदांता एएएस विद्यालय कैफे, राजस्थान के जिंक कौशल केंद्रों तथा अन्य सामुदायिक पहलों में भी योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें युवाओं और प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य एवं सजगता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में सहभागिता निभाई।

बालको की यह पहल समुदाय के सतत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वेदांता स्किल स्कूल युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बना रहे हैं, वहीं नंद घर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल योगाभ्यास तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को भी रेखांकित करता है। यह पहल स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समुदाय के निर्माण की दिशा में बालको के निरंतर प्रयासों का परिचायक है।

बालको ने मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बालको सुरक्षा विभाग के कर्मियों, वेदांता स्किल स्कूल के प्रशिक्षुओं सहित 200 लोगों ने मेडिटेशन में भाग लिया

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सिक्योरिटी सर्विसिंग विंग के सहयोग से बालको टाउनशिप स्थित मितान भवन में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बालको सुरक्षा विभाग के कर्मियों, वेदांता स्किल स्कूल के प्रशिक्षुओं सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना तथा राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से तनावमुक्त एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय, माउंट आबू से पधारे बीके कमल भाई, बीके दत्ता भाई, बीके दीपक भाई, बीके शैलेन्द्र भाई, बीके हितेश भाई एवं बीके संजीव भाई ने मानसिक स्वास्थ्य, आत्मबल, भावनात्मक संतुलन तथा राजयोग मेडिटेशन के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्य परिवेश में मानसिक संतुलन बनाए रखना उतना ही आवश्यक है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को तनाव से ऊपर उठकर सकारात्मक सोच विकसित करने और बेहतर कार्य प्रदर्शन के लिए मानसिक शक्ति प्रदान करता है।

इस अवसर पर बालको सुरक्षा विभाग के कमांडेंट भारतेंदु पांडेय सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बी के बिंदु दीदी, बी के रुक्मिणी दीदी, बी के विद्या दीदी, बी के ज्योति दीदी एवं बी के जितेश्वरी दीदी ने भी सकारात्मक सोच, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जीवनशैली पर प्रेरक विचार साझा किए।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। साथ ही उन्होंने सकारात्मक सोच, नशामुक्त जीवनशैली तथा नियमित राजयोग मेडिटेशन को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। बालको का यह आयोजन कर्मचारियों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, समग्र कल्याण तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में कंपनी की सतत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com